



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 37]

नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 10, 1983/भाद्र 19, 1905

No. 37]

NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 10, 1983/BHADRA 19, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़ कर) भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किये गये सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं
Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India
(other than the Ministry of Defence)

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय
(विधि कार्य विभाग)
सूचना

नई दिल्ली, 17 अगस्त, 1983

का०आ० 3476.—नोटरीज नियम 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री राम निवास सेधमल अग्रवाल एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया जाता है कि उसे कलकत्ता और 24 परगना में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्त किया जाए।

2. उक्त व्यक्ति की नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं० 5(61)/83-न्या०]

के० सी० डी० गंगवानी, सक्षम अधिकारी

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY
AFFAIRS
(Department of Legal Affairs)
NOTICE

New Delhi, the 17th August, 1983

S.O. 3476.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Sh. Ram Niwas Seethmal Agrawal for appointment as a Notary to practise in Calcutta and 24 Parganas.

Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(61)/83-J]

K. C. D. GANGAWANI, Competent Authority

गृह मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग)

नई दिल्ली, 26 अगस्त, 1983

का०आ० 3477.—राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 148 के खण्ड (5) के साथ पठित अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा

प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारतीय लेखा-परीक्षा और लेखा विभाग में सेवा करने वाले व्यक्तियों के संबंध में नियंत्रक-महामेखा परीक्षक से परामर्श करने के पश्चात् केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) (संशोधन) नियम 1983 है।
- (2) ये राजपत्र में, प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम 1972 में—
- (1) नियम 48क के उपनियम (3) का लोप किया जाएगा ;
- (2) नियम 48 क के पश्चात् निम्नलिखित नियम अंतःस्थापित किया जाएगा अर्थात्:—

“48ख. स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति पर अर्हक सेवा में परिवर्धन

- (1) नियम 48 (1) (क) या नियम 48क अथवा मूल नियमों के नियम 56 के खण्ड (ट) अथवा सिविल सेवा विनियमों के अनुच्छेद 459 के खण्ड (1) के अधीन, अनुज्ञा सहित या उसके बिना सेवानिवृत्त होते वाले सरकारी सेवक की सेवानिवृत्त की आशयित तारीख को जितनी अर्हक सेवा है वह पांच वर्ष से अधिक प्रवृत्त तक बढ़ा दी जाएगी किन्तु ऐसा इस शर्त के अधीन किया जाएगा कि सरकारी सेवक द्वारा की गई कुल अर्हक सेवा किसी भी दशा में तैत्तीम वर्ष से अधिक न हो और वह उसको अधिवर्षिता की तारीख से आगे न ले जाए।
- (2) उपनियम (1) के अधीन पांच वर्ष का फायदा उन सरकारी सेवकों की दशा में अनुभूय नहीं होगा जो सरकार द्वारा नियम 45 (1)(ख) या मूल नियम 56 (अ) के अधीन लोकहित में समय पूर्व सेवानिवृत्त कर दिए जाते हैं।”
- (3) नियम 49 के उपनियम (3) में “छह मास” शब्दों के स्थान पर “तीन मास” शब्द रख जाएंगे।

[सं० 32/4/83-पेंशन-एकक]

टिप्पण: केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम 1972 को का० आ० 934, तारीख 1-4-1972 के रूप में प्रकाशित किया गया था। नियमों का तृतीय संस्करण (दिसम्बर 1983 तक संशोधित) वर्ष 1982 में मुद्रित किया गया था।

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(Department of Personnel and Administrative Reforms)

New Delhi, the 26th August, 1983

S.O. 3477.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 read with clause (5) of article 148 of the Constitution and after consultation with the Comptroller and Auditor General in relation to persons serving in

the Indian Audit and Accounts Department, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972, namely:—

1. (1) These rules may be called the Central Civil Services (Pension) (Amendment) Rules, 1983.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972—

(1) In rule 48-A, sub-rule (3) shall be omitted;

(2) after rule 48-A, the following rule shall be inserted, namely:—

“48-B. Addition to qualifying service on voluntary retirement:

(1) The qualifying service as on the date of intended retirement of the Government servant retiring under Rule 48(1)(a) or Rule 48-A or clause (k) of rule 56 of the Fundamental Rules or clause (i) of Article 459 of the Civil Service Regulations with or without permission, shall be increased by the period not exceeding five years, subject to the condition that the total qualifying service rendered by the Government servant does not in any case exceed thirty three years and it does not take him beyond the date of superannuation.

(2) The weightage of five years under sub-rule (1) shall not be admissible in cases of those Government servants who are prematurely retired by the Government in the public interest under Rule 48(1)(b) or FR 56(j).”

(3) in rule 49, in sub-rule (3), for the words “six months”, the words “three months” shall be substituted.

[No. 32/4/83-Pension Unit]

Notes:—The Central Civil Services (Pension) Rules, 1972 were published as S.O. 934 dated 1-4-72. The Third Edition (corrected upto December, 1981) of the rules was printed in 1982.

का०आ० 3478.—केन्द्रीय सरकार, पेंशन अधिनियम 1871 (1871 का 23) की धारा 15 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ:—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम पेंशन बकाया संदाय (नामनिर्देशन) नियम, 1983 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागू होना:—ये नियम केन्द्रीय सरकार के उन पेंशन भोगियों को लागू होंगे जो उन नियमों के अधीन कोई पेंशन प्राप्त करते हैं जो ऐसे पेंशन भोगियों को शासित करते हैं और जो सरकार द्वारा भारत की संविधान निधि में से देय हैं।

3. परिभाषाएं:—इन नियमों में, जब तक कि कोई बात विषय या संदर्भ में विरुद्ध नहीं है—

(क) “अधिनियम” से पेंशन अधिनियम, 1871 (1871 का 23) अभिप्रेत है ;

(ख) “प्रारूप” से इन नियमों से संलग्न प्रारूप अभिप्रेत है ;

(ग) "नामनिर्देशन" से इन नियमों के अधीन किया गया नाम निर्देशन अभिप्रेत है ;

(घ) "पेंशन संचितरक प्राधिकारी" से ऐसा प्राधिकारी अभिप्रेत है जिसकी मार्फत पेंशन ली जाती है और इसके अन्तर्गत निम्नलिखित भी हैं:—

- (1) किसी नामनिर्देशित पब्लिक सेक्टर बैंक की शाखा या
- (2) खजाना जिसके अन्तर्गत उप खजाना भी है, या
- (3) लेखा अधिकारी।

4. पेंशनभोगी का नामनिर्देशित पेंशन को बकाया प्राप्त करेगा.—कोई भी पेंशनभोगी जिसे सरकार द्वारा भारत की संचित निधि में से कोई पेंशन देय है, किसी अन्य व्यक्ति को (जिसे इसमें इसके पश्चात् नामनिर्देशित कहा गया है) नियम 5 के उपबन्धों के अनुसार, नामनिर्देशित कर सकेगा जो पेंशनभोगी की मृत्यु के पश्चात् ऐसे नामनिर्देशन की तारीख को उसके पूर्व या उसके पश्चात् ऐसी पेंशन भत्ते पेंशनभोगी को देय सभी धन और वह धन जो पेंशनभोगी की मृत्यु के ठीक पूर्व असंदात रहते हैं, प्राप्त करेगा।

5. नाम निर्देशन :—(1) प्रत्येक पेंशनभोगी जो इन नियमों के प्रारम्भ की तारीख को या उसके पूर्व सेवानिवृत्त हुआ है प्ररूप "क" में नियम 4 के प्रयोजन के लिए किसी व्यक्ति को छह माह के भीतर नाम-निर्देशन करेगा और इस तीन प्रतियों में, वैयक्तिक तामील द्वारा रसीद प्राप्त करने के पश्चात् या रसीदी रजिस्ट्रीकृत डाक द्वारा उस संबंधित पेंशन संचितरक प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगा जिसकी मार्फत पेंशन ली जाती है।

(2) उप नियम (1) में निर्दिष्ट प्ररूप "क" में नाम-निर्देशन प्राप्त होने के तीस दिन के भीतर पेंशन संचितरक प्राधिकारी प्ररूप "क" में उल्लिखित पेंशनभोगी की विशिष्टियों को उपलब्ध अधिलेखों के प्रतिनिर्देश से सत्यापित कराएगा और उसकी रसीद प्राप्त करने के पश्चात् प्ररूप "क" में के नामनिर्देशन की दूसरी प्रति जो उसके द्वारा या उसके द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किसी अधिकारी द्वारा सम्यक्ता अनुप्रमाणित हो पेंशनभोगी को वापस कर देगा। तीसरी प्रति उस विभाग के लेखा अधिकारी को भेजी जाएगी जहां से पेंशनभोगी सेवा निवृत्त हुआ था जबकि नामनिर्देशन की मूल प्रति अभिलिखित की जाएगी।

(3) प्रत्येक कर्मचारी जो इन नियमों के प्रारम्भ की तारीख के पश्चात् सेवानिवृत्त होने वाला है उस विभाग के कार्यालय प्रधान को, जहां से वह सेवानिवृत्त हो रहा है सेवानिवृत्ति की तारीख से पूर्व या उसके पश्चात् तीन मास के भीतर प्ररूप "क" में तीन प्रतियों में नामनिर्देशन प्रस्तुत करेगा।

(4) उपनियम (3) के अधीन प्ररूप "क" में नामनिर्देशन प्राप्त करने के तीस दिन के भीतर कार्यालय का प्रधान प्ररूप

"क" में उल्लिखित पेंशनभोगी की विशिष्टियों को स्थान के अधिलेखों के प्रतिनिर्देश से सत्यापित कराएगा और उसकी रसीद प्राप्त करने के पश्चात् प्ररूप "क" में के नामनिर्देशन की दूसरी प्रति जो उसके द्वारा या उसके द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किसी अधिकारी द्वारा सम्यक्ता अनुप्रमाणित हो पेंशनभोगी को वापस कर देगा। सम्यक् रूप से स्वीकृत तीसरी प्रति लेखा अधिकारी को भेजी जाएगी जो उसे पेंशन संदाय आदेश के साथ पेंशन संचितरक प्राधिकारी को हस्तान्तरित करेगा। यदि किसी विशिष्ट मामले में पेंशन संदाय आदेश पहले से ही जारी किया जा चुका है तो पेंशनभोगी का पेंशन संदाय आदेश और अन्य विशिष्टियां उत्कंठित करते हुए नामनिर्देशन अलग से भेजा जाएगा जिससे कि पेंशन संचितरक प्राधिकारी इसे पेंशन संदाय आदेश के साथ जोड़ ले।

(5) नामनिर्देशन के उपान्तरण की कोई सूचना जिसके अन्तर्गत वे मामले भी हैं जहां नामनिर्देशित की पेंशनभोगी से पूर्व मृत्यु हो जाती है उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट रीति में पेंशन संचितरक प्राधिकारी को प्ररूप "ख" में तीन प्रतियों में प्रस्तुत की जाएगी और उसके पश्चात् उपनियम (2) के उपबन्ध उपान्तरणों के साथ यथावश्यक परिवर्तनों सहित ऐसे लागू होंगे मानो यह उपनियम (1) के अधीन किया गया था।

(6) किसी नामनिर्देशन या किसी नए नामनिर्देशन या किसी नामनिर्देशन के उपान्तरण की सूचना पर पेंशनभोगी द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे या यदि वह निरक्षर है तो, दो साधियों की उपस्थिति में अंगूठे का निशान लगाएगा जो यथास्थिति, नामनिर्देशन नए नामनिर्देशन या नामनिर्देशन के उपान्तरण की सूचना में उस आशय की घोषणा पर स्वयं, भी हस्ताक्षर करेंगे।

(7) नामनिर्देशन नया नामनिर्देशन या नामनिर्देशन के उपान्तरण की सूचना यथास्थिति पेंशन संचितरक प्राधिकारी या कार्यालय के प्रधान द्वारा उसे प्राप्त करने की तारीख से प्रभावी होगा।

6. स्वीकृत नामनिर्देशन का निश्चायक सबूत होना :—ऐसा कोई नामनिर्देशन, जो नियम 5 के अधीन किया गया है और जिसे पेंशन संचितरक प्राधिकारी या कार्यालय के प्रधान द्वारा स्वीकार किया है इन नियमों के अधीन पेंशनभोगी की पेंशन-बकायाओं को प्राप्त करने के लिए नामनिर्देशित व्यक्ति की बाबत निश्चायक सबूत होगा।

7. बकाया के संदाय का ढंग :—इन नियमों के अधीन देय पेंशन के बकाया पेंशन के संदाय के ढंग को शासित करने वाले विद्यमान नियमों के उपबन्धों के अनुसार दिए जाएंगे।

8. निर्वचन :—यदि इन नियमों के निर्वचन के बारे में कोई संदेह उत्पन्न होता है तो वह मामला विनिश्चय के लिए भारत सरकार के गृह मंत्रालय (कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग) को निर्देशित किया जाएगा।

[सं० 26 (3)-पेंशन एकक/82]
एस० आर० अहीर, उप सचिव

प्ररूप-क

(नियम 5 देखिए)

सेवा में,

पेंशन संवितरक प्राधिकारी/कार्यालय के प्रधान

(बैंक/खजाना/डाकघर/लेखा अधिकारी आदि का नाम)

(स्थान)

मैं,, पेंशन बकाया संदाय (नाम निर्देशन) नियम 1983 के नियम 5 के अधीन नीचे (पेंशन भोगी का नाम स्पष्ट शब्दों में)

नामित व्यक्ति का नाम निर्देशित करता हूँ।

नाम निर्देशिती का नाम और पता		पेंशनभोगी के साथ नातेदारी	यदि नामनिर्देशिती अप्राप्तव्य है	
			जन्म की तारीख	उस व्यक्ति का नाम और पता जो नामनिर्देशिती की अप्राप्तव्यता के दौरान उक्त पेंशन प्राप्त कर सकेगा
1	2	3	4	
यदि उपरोक्त स्तम्भ (1) के अधीन के नामनिर्देशिती की पेंशन-भोगी से पूर्व मृत्यु हो जाती है तो अन्य नामनिर्देशिती का नाम और पता		पेंशन भोगी के साथ नातेदारी अप्राप्तव्य है तो जन्म की तारीख	उस व्यक्ति का नाम और पता जो अन्य नामनिर्देशिती की अप्राप्तव्यता के दौरान पेंशन प्राप्त कर सकेगा।	आकस्मिकता, जिसके घटित होने पर नामनिर्देशितीन अधिकारमान्य हो जाए गा।
5	6	7	8	9

पेंशनभोगी के हस्ताक्षर
(या अंगूठे का निशान,
यदि निरक्षर है) और नाम

स्थान
तारीख

पता :--

साक्षी : हस्ताक्षर

नाम और पता

पेंशन संवितरक प्राधिकारी/कार्यालय के प्रधान के हस्ताक्षर

(अभिस्वीकृति पेंशन संवितरक प्राधिकारी/कार्यालय के प्रधान द्वारा भेजी जाएगी)

प्रमाणित किया जाता है कि (पेंशनभोगी का नाम) से आवेदनपत्र/नामनिर्देशन प्राप्त हुआ है, जिसका पेंशन पता है।

संवितरक प्राधिकारी के हस्ताक्षर

स्थान

बैंक/खजाना/डाकघर/लेखा अधिकारी/कार्यालय का प्रधान

तारीख

पूरा पता-----

प्रारूप-ख

[नियम 5(5) देखिए]

सेवा में,

पेंशन संवितरक प्राधिकारी

बैंक/खजाना/डाकघर/लेखा अधिकारी आदि का नाम

स्थान

में, , पेंशन बकाया संवाय (नाम निर्देशन) नियम, 1983 के नियम 5 के अधीन
(पेंशनभोगी का नाम स्पष्ट अक्षरों में)

..... को किए गए पूर्ववर्ती नामनिर्देशन को रद्द करते हुए, निम्नलिखित अनुकल्पो
नाम निर्देशन करता हूँ।

नाम (निर्देशिनी का नाम और पता)		पेंशन भोगी के साथ नातेदारी	यदि नामनिर्देशिनी अप्राप्तवय है	
			जन्म की तारीख	उस व्यक्ति का नाम और पता जो नामनिर्देशिनी की अप्राप्तवयता के दौरान उक्त पेंशन प्राप्त कर सकेगा।
1	2	3	4	
यदि स्तम्भ (1) के अधीन के पेंशनभोगी के नामनिर्देशिनी की पेंशनभोगी से साथ पूर्व मृत्यु हो जाती है तो अन्य नामनिर्देशिनी का नाम और पता				
यदि अन्य नामनिर्देशिनी अप्राप्तवय है तो जन्म की तारीख		उस व्यक्ति का नाम और पता जो अन्य नामनिर्देशिनी की अप्राप्तवयता के दौरान पेंशन प्राप्त कर सकेगा	आकस्मिकता, जिसके घटित होने पर नामनिर्देशन की अप्राप्तवयता के अविधि मान्य हो जाएगा	
5	6	7	8	9

स्थान
तारीख

पेंशन भोगी के हस्ताक्षर
(या अंगूठे का निशान, यदि
निरक्षर है) और नाम
पता:

साक्षी: हस्ताक्षर
नाम और पता

पेंशन संवितरक प्राधिकारी के हस्ताक्षर
तारीख मुहर

प्रमाणित किया जाता है कि (पेंशनभोगी का नाम) से आवेदन-पत्र/नामनिर्देशन प्राप्त
हुआ है जिसका पता है।

प्रारूप "क" रद्द कर दिया है और उसे वापस कर दिया है।

पेंशन संवितरक प्राधिकारी के हस्ताक्षर
डाकघर/बैंक/खजाना
पूरा पता

स्थान
तारीख

S.O. 3478.—In exercise of the powers conferred by section 15 of the Pensions Act, 1871 (23 of 1871), the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Payment of Arrears of Pension (Nomination) Rules, 1983.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. Application.—These rules shall apply to the Central Government pensioners who are in receipt of any pension under the rules which govern such pensioners and which is payable by the Government out of the Consolidated Fund of India.

3. Definitions.—In these rules, unless there is anything repugnant in the subject or context,—

- (a) "Act" means the Pensions Act, 1871 (23 of 1871);
- (b) "Form" means a Form appended to the rules;
- (c) "nomination" means nomination made under these rules;
- (d) "pension disbursing authority" means the authority through whom pension is drawn and includes—
 - (i) branch of a nominated public sector bank, or
 - (ii) treasury including sub-treasury, or
 - (iii) Accounts Officer.

4. Nominee of pensioner to receive arrears of pension.—Any pensioner to whom any pension is payable by the Government out of the consolidated Fund of India may nominate any other person (hereinafter referred to as the nominee) in accordance with the provisions of rule 5 who shall receive, after the death of the pensioner all moneys payable to the pensioner on account of such pension on, before or after the date of such nomination and which remain immediately before the death of the pensioner.

5. Nominations.—(1) Every pensioner who has retired on or before the date of commencement of these rules shall within six months nominate any person for the purpose of rule 4 in Form 'A' and submit it, in triplicate, by personal service after taking receipt or by sending through registered post acknowledgement due to the respective Pension Disbursing Authority through whom pension is drawn.

(2) Within thirty days of the receipt of nomination in Form 'A' as referred to in sub-rule (1), the Pension Disbursing Authority shall get the particulars of the pensioner, as mentioned in Form 'A', verify with reference to the available records and return to the pensioner, after obtaining a receipt thereof, the duplicate copy of the nomination in Form 'A' duly attested by him or an officer authorised by him in this behalf. The triplicate copy shall be sent to the Accounts Officer of the Department from where the pensioner had retired while the original copy of the nomination shall be recorded.

(3) Every employee who is due to retire after the date of commencement of these rules shall, submit the nomination, in triplicate, in Form 'A' to the Head of Office of the Department from where he is retiring within three months before or after the date of retirement.

(4) Within thirty days of the receipt of the nomination in Form 'A', under sub-rule (3), the Head of Office shall get the particulars of the pensioner, as mentioned in Form 'A' verify with reference to the records of the establishment and return to the pensioner, after obtaining the receipt thereof, a duplicate copy of the nomination in Form 'A', duly attested by him or by an officer authorised by him in this behalf. The triplicate copy duly accepted shall be sent to the Accounts Officer, who shall pass it on to the Pension Disbursing Authority along with the Pension Payment Order. If the Pension Payment Order has already been issued in a particular case, the nomination shall be sent separately quoting PPO a number and other particulars of the pensioner to enable the Pension Disbursing Authority to link it up with the PPO.

(5) A notice of modification of nomination including cases where a nominee pre-deceases the pensioner shall be submitted in triplicate in Form 'B' to the Pension Disbursing Authority in the manner specified in sub-rule (1) and thereafter the provisions of sub-rule (2) shall apply mutatis mutandis with modification as if it was made under sub-rule (1).

(6) A nomination or a fresh nomination or a notice of modification of nomination shall be signed by the pensioner or, if he is illiterate, shall bear his thumb impression given in the presence of two witnesses who shall also sign a declaration to that effect in the nomination, fresh nomination or notice of modification of nomination, as the case may be.

(7) Nomination, fresh nomination or notice of modification of nomination shall take effect from the date of receipt thereof by the Pension Disbursing Authority or the Head of Office, as the case may be.

6. Accepted nomination to be conclusive proof.—A nomination made under rule 5 and accepted by the Pension Disbursing Authority or the Head of Office, shall be a conclusive proof with regard to the person nominated to receive arrears of pension of the pensioner under these rules.

7. Mode of payment of arrears.—The arrears of pension payable under these rules shall be paid in accordance with the provisions of the existing rules governing the mode of payment of pension.

8. Where any doubt arises as to the interpretation of these rules, the matter shall be referred to the Government of India in the Ministry of Home Affairs (Department of Personnel and Administrative Reforms) for decision.

[No. 26(3)-Pension Unit/82]

S. R. AHIR, Dy. Secy.

FORM—A
(See Rule 5)

To

Pension Disbursing Authority/Head of Office
(Name of Bank/Treasury/Post office/Accounts Officer etc.)
(Place).....

I,..... hereby nominate the person
(Name of the pensioner in capital letters)

Named below under rule 5 of the Payment of Arrears of Pension (Nomination) Rules, 1983.

If nominee is minor

Name and address of the nominee	Relationship with pensioner	Date of birth	Name and address of person who may receive the said pension during the nominee's minority
1	2	3	4

Name and address of the other nominee in case the nominee under column (1) above predeceases the pensioner	Relationship with pensioner	Date of birth if other nominee is minor	Name and address of who may receive the pension during the other nominee's minority	Contingency on happening of which nomination shall become invalid.
5	6	7	8	9

Place.....

Date.....

Signature (or thumb impression if illiterate and name of Pensioner)

Witness : Signature

Name & Address

Address

Signature of pension Disbursing Authority/Head of Office

(Acknowledgement to be sent by the Pension Disbursing Authority/Head of Office)

Certified that application/nomination has been received from..... (Name of Pensioner) whose address is.....

Signature of Pension Disbursing Authority

Bank/Treasury/P.O./Accounts Officer/Head of Office

Full Address.....

Place.....

Date.....

FORM B
[(See Rule 5(5))]

To

The Pension Disbursing Authority

Name of the Bank/Treasury/Post Office/Accounts officer etc.

Place.....

I,..... hereby make the following

(Name of Pensioner in capital letter)

alternative nomination in cancellation of the previous nomination made on..... under rule 5 of the Payment of Pension (Nomination) Rules, 1983.

Name and Address of nominee	Relationship with pensioner	If nominee is minor	
		Date of birth	Name and address of the person who may receive the said pension during the nominee's minority
1	2	3	4

Name and address of the other nominee in case the nominee under column (1) predeceases the pensioner	Relationship with pensioner	Date of birth if other nominee is minor	Name and address of person who may receive the pension during the other nominee's minority.	Contingency on the happening of which nomination shall become invalid
5	6	7	8	9

Place.....

Date.....

Witness : Signature

Name and Address.....

Signature (or thumb impression if illiterate) and name of pensioner

Address

Signature of Pension Disbursing Authority

Date Stamp.....

Certified that application/nomination (Form B) has been received from.....

(Name of the pensioner) whose address is.....

Form A has been cancelled and returned to him.

Place.....

Date.....

Signature of Pension Disbursing Authority

PO/Bank/Treasury with full address.....

**योजना मंत्रालय
(सांख्यिकी विभाग)**

नई दिल्ली, 27 अगस्त, 1983

का० आ० 3479.—भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद के प्रो० रवि जे० मथाई ने भारतीय सांख्यिकीय संस्थान पुनरीक्षण समिति की अपनी सदस्यता से त्याग पत्र दे दिया है (इस विभाग के दिनांक 27 अगस्त, 1982 की अधिसूचना सं० एम-12011/5/80-आई० एस० आई० द्वारा संघटित) तथा यह त्याग पत्र दिनांक 26 जुलाई, 1983 से मंजूर हो गया है।

[सं० एम० 12011/5/80-आई० एस० आई० (समन्वय)]

महेन्द्र नाथ, उप सचिव

**MINISTRY OF PLANNING
(Department of Statistics)**

New Delhi, the 27th August, 1983

S.O. 3479.—Prof. Ravi J. Mathai of the Indian Institute of Management, Ahmedabad, has resigned his membership on the ISI Review Committee (constituted vide this Department Notification No. M-12011/5/80-ISI, dated the 22nd August, 1982) and the resignation has been accepted w.e.f. 26th July, 1983.

[No. M-12011/5/80-ISI(Coord.)]
MAHENDRA NATII, Dy. Secy.

वित्त मंत्रालय

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमा शुल्क बोर्ड

नई दिल्ली, 10 सितम्बर, 1983

सं० 259/83-सीमा-शुल्क

का० आ० 3480.—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमाशुल्क बोर्ड, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 9 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उत्तर प्रदेश में आगरा का बाण्डागार स्टेशन के रूप में घोषित करता है।

[फा० सं० 473/67/81-सीमाशुल्क-7]

आनन्द छाबड़ा, सचिव

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमाशुल्क बोर्ड

**MINISTRY OF FINANCE
CENTRAL BOARD OF EXCISE AND CUSTOMS**

New Delhi, the 10th September, 1983

NO. 259/83-CUSTOMS

S.O. 3480.—In exercise of the powers conferred by section 9 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Board of Excise and Customs hereby declares Agra in the State of Uttar Pradesh to be a warehousing station.

[F. No. 473/67/81-CUS.VII.]

A. K. CHHABRA, Secy.

Central Board of Excise and Customs

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

नई दिल्ली, 23 अगस्त, 1983

(आय-कर)

का० आ० 3481.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस संबंध में केन्द्रीय प्रत्यक्ष-कर बोर्ड को अधिकार देने वाली

अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, नई दिल्ली एतद्वारा दिनांक 27-8-1982 की अधिसूचना सं० 4881 (फा० सं० 26/9/82-आ० क० न्या०) से संबद्ध अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन करता है।

उक्त अनुसूची में अर्पीलीय सहायक आयुक्त, सतना के सामने, स्तम्भ सं० 2 के नीचे निम्नलिखित जोड़ा जाएगा :

“4, आयकर अधिकारी,
छतरपुर परिमंडल,
छतरपुर।”

यह अधिसूचना 10-6-1983 से लागू होगी।

[सं० 5368 फा० 261/11/83-आ० क० न्या०]

के० एम० मुल्तान, अवर सचिव
केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

New Delhi, the 23rd August, 1983

(INCOME-TAX)

S.O. 3481.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 122 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and all other powers enabling it in this behalf, the Central Board of Direct Taxes, New Delhi hereby makes the following amendments in the Schedule appended to its Notification No. 4881 dated 27-8-82 (F. No. 261/9/82-ITJ).

In the said schedule against A.A.C., Satna, there shall be added the following under col. No. 2 :

“4. Income-tax Officer,
Chhatarpur Circle,
Chhatarpur.”

This Notification shall take effect from 10-6-1983.

[No. 5368 (F. No. 261/11/83-ITJ)]

K. M. SULTAN, Under Secy.
Central Board of Direct Taxes

आर्थिक कार्य विभाग

(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 16 अगस्त, 1983

का० आ० 3482.—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 11 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा श्री हरि मोहन को गोरखपुर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, गोरखपुर का अध्यक्ष नियुक्त करती है तथा 7-7-1983 से प्रारम्भ होकर 31-7-1986 को समाप्त होने वाली अवधि को उस अवधि के रूप में निर्धारित करती है जिसके दौरान श्री हरि मोहन अध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे।

[संख्या एफ० 8-2/79-आर० आर० बी०]

(Department of Economic Affairs)
(Banking Division)

New Delhi, the 16th August, 1983

S.O. 3482.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 11 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government hereby appoints Shri Hari Mohan as the Chairman of the Gorakhpur Kashi Gramin Bank, Gorakhpur and specifies the period commencing on the 7-7-1983 and ending with the 31-7-1986 as the period for which the said Shri Hari Mohan shall hold office as such Chairman.

[No. F. 8-2/79-RRB]

का० आ० 3483.—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 11 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा श्री चन्द्र भान सिंह को भागीरथ ग्रामीण बैंक, सीतापुर का अध्यक्ष नियुक्त करती है तथा 13 जुलाई, 1983 से प्रारम्भ होकर 31 जुलाई, 1986 को समाप्त होने वाली अवधि को उस अवधि के रूप में निर्धारित करती है जिसके दौरान श्री चन्द्र भान सिंह अध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे।

[संख्या एफ० 2-26/82-आर० आर० बी०]

एस० एस० हसूरकर, उप सचिव

S.O. 3483.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 11 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government hereby appoints Shri Chandra Bhan Singh, as the Chairman of the Bhagirath Gramin Bank, Sitapur and specifies the period commencing on the 13th July, 1983 and ending with the 31st July, 1986 as the period for which the said Shri Chandra Bhan Singh shall hold office as such Chairman.

[No. F. 2-26/82-RRB]

S. S. HASURKAR, Dy. Secy.

केन्द्रीय-उत्पाद शुल्क समाहर्तालय

अधिसूचना सं० 2/1983

कानपुर, 6 अगस्त, 1983

विषय:—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम 191-क और 191-ख के अन्तर्गत सहायक समाहर्ताओं की शक्तियों का प्रत्यायोजन सम्बन्धी प्रश्न

का० का० 3484.—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली, 1944 के नियम 191-क और 191-ख के अन्तर्गत मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं जे० रामकृष्णन्, समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क कानपुर इस कानपुर समाहर्तालय में सभी सहायक समाहर्ताओं को उनके क्षेत्राधिकार में निम्नलिखित कार्य मर्दों के सम्बन्ध में ऊर्ही नियमों के अन्तर्गत उप समाहर्ता में निहित शक्तियों का प्रयोग करने को प्राधिकृत करता हूँ।

नियम 191-क सूत्र (फारमूला) का अनुमोदन
नियम-191-ख सूत्र (फारमूला) का अनुमोदन

इस समाहर्तालय की दिनांक 20-3-1981 को निर्गत अधिसूचना सं० 2/1981 के प्रतिस्थापन में यह (अधिसूचना) जारी की जाती है।

[पत्रांक V-8 (सभी उत्पाद शुल्क) प्रा०-IV/200/83/22582]

जे० रामकृष्णन्, समाहर्ता

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

NOTIFICATION NO. 2/1983

Kanpur, the 6th August, 1983

Subject : Central Excise—Delegation of powers to Assistant Collector under Rules 191-A and 191-B—Question regarding—

641 G1/83—2

S.O. 3484.—In exercise of the powers conferred upon me under Rule 191-A and 191-B of the Central Excise Rules, 1944, I, J. Ramakrishnan, Collector of Central Excise, Kanpur authorise all the Assistant Collectors of Central Excise in the Collectorate of Kanpur to exercise, within their jurisdiction, the powers of Deputy Collector so far vested in them under Rule 191-A and 191-B of Central Excise Rules, 1944 in respect of the following items of work :—

Rule 191-A : Approval of formula.

Rule 191-B : Approval of formula.

This issues is supersession of Notification No. 2/81 dated 20-3-81 of this Collectorate.

[C. No. V(8) All Excises/Tech. IV/200/83/22582]

J. RAMAKRISHNAN, Collector

वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली, 10 सितम्बर, 1983

का० आ० 3485.—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैसर्स टाटा इंजिनियरिंग एण्ड लोकोमोटिव कम्पनी लिमिटेड, जमशेदपुर-10 में विनिर्मित डीजल इंजिनों का निर्यात से पूर्व निरीक्षण करने के लिए मैसर्स टाटा इंजिनियरिंग एण्ड लोकोमोटिव कम्पनी लिमिटेड को, जिनका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय मुम्बई हाउस, 24 होमी मोदी स्ट्रीट, मुम्बई-400023 में है, 16 मई, 1983 से एक और वर्ष की अवधि के लिए का० आ० 1476 तारीख 16 मई, 1981 के अनुसार अधिसूचित शर्तों के अधीन रहते हुए, अधिकरण के रूप में मान्यता देती है।

[सं० 5(4)/80-ई० आई० एण्ड ई०पी०]

MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 10th September, 1983

S.O. 3485.—In exercise of powers conferred by Sub-section (1) of Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby recognises for a further period of one year with effect from 16th May 1983 M/s. Tata Engineering and Locomotive Company Limited, having their registered office at Bombay House, 24, Homi Mody Street, Bombay-400 023, as the agency for inspection of diesel engines manufactured at M/s. Tata Engineering and Locomotive Company Limited, Jamshedpur-10 prior to export subject to the conditions notified vide S.O. 1476 dated 16 May, 1982.

[No. 5(4)/80/EI&EP]

का० आ० 3486.—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैसर्स टाटा इंजिनियरिंग एण्ड लोकोमोटिव कम्पनी लिमिटेड पिम्परी पूने-411018 में विनिर्मित डीजल इंजिनों का निर्यात से पूर्व निरीक्षण करने के लिए मैसर्स टाटा इंजिनियरिंग एण्ड लोकोमोटिव कम्पनी लिमिटेड

को, जिनका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय बम्बई हाउस, 24, होमी मोदी स्ट्रीट-बम्बई-400023 में है, 16 मई, 1983 से एक और वर्ष की अवधि के लिए का० आ० 1477 तारीख 16 मई, 1981 के अनुसार अधिसूचित शर्तों के अधीन रहते हुए, अभिकरण के रूप में मान्यता देती है।

[सं० 5 (4) 80-ई०आई० एण्ड ई०पी०]

S.O. 3486.—In exercise of powers conferred by Sub-section (1) of Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby recognises for a further period of one year with effect from 16th May 1983 M/s. Tata Engineering and Locomotive Company Limited having their registered office at Bombay House, 24, Homi Mody Street, Bombay-400 023 as the agency, for inspection of diesel engines manufactured at M/s. Tata Engineering and Locomotive Company Limited, Primpri, Pune-411 018 prior to export, subject to the conditions notified vide S.O. 1477 dated 16-5-1981.

[No. 5(4)/80/EI&EP]

का० आ० 3487.—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैसर्स मोटर इन्डस्ट्रीज कम्पनी लिमिटेड, होसूर रोड, अदुगोदी बंगलूर-560030 में विनिर्मित डीजल इंजिन के पुर्जों और संघटकों का निर्यात से पूर्व निरीक्षण करने के लिए मैसर्स मोटर इन्डस्ट्रीज कम्पनी लिमिटेड को, जिनका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय होसूर रोड, अदुगोदी बंगलूर-560030 में है, 16 मई 1983 से एक और वर्ष की अवधि के लिए का० आ० 1478 तारीख, 16-5-1981 के अनुसार अधिसूचित शर्तों के अधीन रहते हुए, अभिकरण के रूप में मान्यता देती है।

[सं० 5 (4) 80-ई०आई० एण्ड ई०पी०]

S.O. 3487.—In exercise of powers conferred by Sub-section (1) of section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby recognises for a further period of one year with effect from 16th May 1983 M/s. Motor Industries Company Limited, having their registered office at Hosur Road, Adugodi, Bangalore-560 030, as the agency, for inspection of diesel engine spares and components, manufactured at M/s. Motor Industries Company Limited, Hosur Road, Adugodi, Bangalore-560 030, prior to export, subject to the conditions notified vide S.O. 1478 dated 16-5-1981.

[No. 5(4)/80/EI&EP]

का० आ० 3488.—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैसर्स मोटर इन्डस्ट्रीज कम्पनी लिमिटेड नासिक इन्डस्ट्रीयल को आर्गेटिव एस्टेट प्लॉट नं० 75 त्रिम्बक रोड, नासिक-422007 में विनिर्मित डीजल इंजिन के तुंड (नोजल) और इन्जक्टर असम्बली का निर्यात से पूर्व निरीक्षण करने के लिए मैसर्स मोटर इन्डस्ट्रीज कम्पनी लिमिटेड को, जिनका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय होसूर रोड, अदुगोदी बंगलूर-560030 में है, 16 मई, 1983 से एक और वर्ष की अवधि के लिए का० आ० 1479 तारीख

16-5-81 के अनुसार अधिसूचित शर्तों के अधीन रहते हुए, अभिकरण के रूप में मान्यता देती है।

[सं० 5 (4)/80-ई०आई० एण्ड ई०पी०]

S.O. 3488.—In exercise of powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby recognises for a further period of one year with effect from 16th May 1983 M/s. Motor Industries Company Limited, having their registered office at Hosur Road, Adugodi, Bangalore-560 030, as the agency, for inspection of nozzles and injector assembly for diesel engine manufactured at M/s. Motor Industries Company Limited, Nasik Industrial Cooperative Estate, Plot No. 75, Trimbak Road, Nasik-422 007, prior to export, subject to the conditions notified vide S.O. 1479 dated 16th May, 1981.

[No. 5(4)/80/EI&EP]

का० आ० 3489.—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैसर्स किरलोस्कर क्यूमिनस लिमिटेड कोथरुड पुणे-411029 में विनिर्मित डीजल इंजिनों का निर्यात से पूर्व निरीक्षण करने के लिए मैसर्स किरलोस्कर क्यूमिनस लिमिटेड को जिनका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय कोथरुड पुणे 411029 में स्थित है, 16 मई, 1983 से एक और वर्ष की अवधि के लिए का० आ० 1480 तारीख 16-5-1981 के अनुसार अधिसूचित शर्तों के अधीन रहते हुए, अभिकरण के रूप में मान्यता देती है।

[सं० 5 (4)/80-ई०आई० एण्ड ई०पी०]

S.O. 3489.—In exercise of powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby recognises for a further period of one year with effect from 16th May 1983, M/s. Kirloskar Cummins Limited, having their registered office at Kothrud, Pune-411029, as the agency, for inspection of diesel engines manufactured at M/s. Kirloskar Cummins Limited, Kothrud, Pune-411029, prior to export, subject to conditions notified vide S.O. 1480 dated 16-5-1981.

[No. 5(4)/80/EI&EP]

का० आ० 3490.—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैसर्स कमानी इंजिनियरिंग कार्पोरेशन लिमिटेड शोतबाड़ा, जयपुर में विनिर्मित संभरण लाइन टावर का निर्यात से पूर्व निरीक्षण करने के लिए मैसर्स कमानी इंजिनियरिंग कार्पोरेशन लिमिटेड को जिनका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय लाल बहादुर शास्त्री रोड, कुरला बम्बई-400070 में है 16 मई, 1983 से एक और वर्ष की अवधि के लिए का० आ० 1486 तारीख 16-5-1981 के अनुसार अधिसूचित शर्तों के अधीन रहते हुए, अभिकरण के रूप में मान्यता देती है।

[सं० 5 (5)/80-ई०आई० एण्ड ई०पी०]

S.O. 3490.—In exercise of powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby re-

recognises for a further period of one year with effect from 16th May 1983, M/s. Kamani Engineering Corporation Limited, having their registered office at Lal Bhadur Shastri Marg, Kurla, Bombay-400070, as the agency, for inspection of transmission line tower manufactured at M/s. Kamani Engineering Corporation Limited, Jhotwara, Jaipur, prior to export, subject to the conditions notified vide S.O. 1486 dated 16th May, 1981.

[No. 5(5)/80/EI&EP]

का० आ० 3491.—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैसर्स जय इंजिनियरिंग वर्क्स लिमिटेड पो० आ० बालानगर टाउनशिप, हैदराबाद 500037 में विनिर्मित विद्युत पंखों का निर्यात से पूर्व निरीक्षण करने के लिए मैसर्स जय इंजिनियरिंग वर्क्स लिमिटेड को जिनका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय 23, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नयी दिल्ली-110001 में है, 16 मई, 1983 से एक और वर्ष की अवधि के लिए का० आ० 1488 तारीख 16 मई, 1981 के अनुसार अधिसूचित शर्तों के अधीन रहते हुए, अधिकरण के रूप में मान्यता देती है।

1. मेज के पंखे
2. छत के पंखे
3. पैंडस्टल पंखे
4. रेलगाड़ी के पंखे
5. वायु निकास पंखे
6. दीवार के पंखे
7. केबिन के पंखे

[सं० 5(6)/80-ई० आई० एण्ड ई० पी०]

S.O. 3491.—In exercise of powers conferred by Sub-section (1) of Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby recognises for a further period of one year with effect from 16th May, 1983 M/s Jay Engineering Works Limited having their registered office at 23, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi-110001, as the agency, for inspection of electric fans as given below manufactured at M/s Jay Engineering Works Limited, P.O. Balanagar Township, Hyderabad-500037, prior to export, subject to the conditions notified vide S.O. 1488 dated 16th May, 1981.

1. Table Fans.
2. Ceiling Fans
3. Pedestal Fans
4. Railway Carriage Fans
5. Exhaust Fans
6. Wall Fans
7. Cabin Fans.

[No. 5(6)/80/EI&EP]

का० आ० 3492.—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का

22) की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैसर्स टाटा इंजिनियरिंग एंड लोकोमोटिव कम्पनी लिमिटेड, जमशेदपुर-10 में विनिर्मित आटोमोबाइल के पुर्जों, संघटकों और उपसाधनों का निर्यात से पूर्व निरीक्षण करने के लिए मैसर्स टाटा इंजिनियरिंग एंड लोकोमोटिव कम्पनी लिमिटेड को जिनका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय मुम्बई हाउस, 24 होमी मोदी स्ट्रीट, मुम्बई-400023 में है, 16 मई, 1983 से एक और वर्ष की अवधि के लिए का० आ० 1481 तारीख 16 मई, 1981 के अनुसार अधिसूचित शर्तों के अधीन रहते हुए, अधिकरण के रूप में मान्यता देती है।

[फा० सं० 5(3)/80-ई० आई० एण्ड ई० पी०]

S.O. 3492.—In exercise of powers conferred by sub-section (1) of Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby recognises for a further period of one year with effect from 16th May, 1983, M/s Tata Engineering and Locomotive Company Limited, having their registered office at Bombay House, 24, Homi Mody Street, Bombay-400023, as agency, for inspection of automobile spares, components and accessories manufactured at M/s Tata Engineering and Locomotive Company Limited, Jamshedpur-10, prior to export, subject to the conditions notified vide S.O. 1481 dated 16th May, 1981.

[F. No. 5 (3)/80/EI&FP]

का० आ० 3493.—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैसर्स टाटा इंजिनियरिंग लोकोमोटिव कम्पनी लिमिटेड पिम्परी, पुणे-411018 में विनिर्मित आटोमोबाइल के पुर्जों, संघटकों और उपसाधनों का निर्यात से पूर्व निरीक्षण करने के लिए मैसर्स टाटा इंजिनियरिंग और लोकोमोटिव कम्पनी लिमिटेड को, जिनका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय मुम्बई हाउस, 24, होमी मोदी स्ट्रीट-मुम्बई-400023 में स्थित है, 16 मई, 1983 से एक और वर्ष की अवधि के लिए का० आ० 1482 तारीख 16 मई, 1981 के अनुसार अधिसूचित शर्तों के अधीन रहते हुए, अधिकरण के रूप में मान्यता देती है।

[सं० 5(3)/80-ई० आई० एण्ड ई० पी०]

S.O. 3493.—In exercise of powers conferred by sub-section (1) of Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby recognises for a further period of one year with effect from 16th May 1983 M/s Tata Engineering and Locomotive Company Limited having their registered office at Bombay House, 24, Homi Mody Street, Bombay-400023, as the agency, for inspection of the automobile spares, components and accessories, manufactured at M/s. Tata Engineering and Locomotive Company Limited, Pimpri, Pune-411018, prior to export, subject to the conditions notified vide S.O. 1482 dated 16th May, 1981.

[F. No. 5(3)/80/EI&EP]

का० आ० 3494.—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैसर्स मोटर इंडस्ट्रीज लिमिटेड, होसूर रोड, अदुगोदी, बंगलौर-560030 में विनिर्मित आटोमोबाइल के लिए स्पार्क प्लगों का निर्यात से पूर्व निरीक्षण करने के लिए मैसर्स मोटर इंडस्ट्रीज कंपनी लिमिटेड को, जिनका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय होसूर रोड, अदुगोदी-बंगलौर-560030 में है, 16 मई, 1983 से एक और वर्ष की अवधि के लिए का० आ० 1483 तारीख 16 मई, 1981 के अनुसार अधिसूचित शर्तों के अधीन रहते हुए, अभिकरण के रूप में मान्यता देती है।

[सं० 5(3)/80-ई० आई० एण्ड ई० पी०]

S.O. 3494.—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963, (22 of 1963), the Central Government hereby recognises for a further period of one year with effect from 16th May, 1983, M/s. Motor Industries Company Limited, having their registered office at Hosur Road, Adugodi, Bangalore-560030, as the agency, for inspection of spark plugs for automobiles manufactured at M/s. Motor Industries Company Limited, Hosur Road Adugodi, Bangalore-560030, prior to export, subject to the conditions notified vide S.O. 1483 dated 16th May, 1981.

[F. No. 5(3)/80/EI&EP]

का० आ० 3495.—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैसर्स लुकास टी वी एस लिमिटेड पाडी मद्रास-600050 में विनिर्मित नीचे दिए गए आटोमोबाइल के पुर्जों और संघटकों का निर्यात से पूर्व निरीक्षण करने के लिए मैसर्स लुकास टी वी एस लिमिटेड को, जिनका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय 37, माउंट रोड मद्रास-600006 में है, 16 मई, 1983 से एक और वर्ष की अवधि के लिए का० आ० 1484 तारीख 16 मई, 1981 के अनुसार अधिसूचित शर्तों के अधीन रहते हुए, अभिकरण के रूप में मान्यता देती है।

1. स्टार्टर मोटर
2. डायनेमो
3. वोल्टता नियामक
4. अग्रदीप समंजन
5. फ्लैशर यूनिट
6. वितरक
7. वाइपर समंजन
8. विद्युत हॉर्न

[सं० 5(3)/80-ई० आई० एण्ड ई० पी०]

S.O. 3495.—In exercise of powers conferred by sub-section (1) of Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963, (22 of 1963), the Central Government

hereby recognises for a further period of one year with effect from 16th May, 1983 M/s Lucas TVS Limited, having their registered office at 37, Mount Road, Madras-600006, as the agency, for inspection of automobile spares and components as given below manufactured at M/s. Lucas TVS Limited, Padi, Madras-600050, prior to export, subject to the conditions notified vide S.O. 1484 dated 16-5-1981.

1. Starter Motor
2. Dynamo
3. Voltage Regulator
4. Head Light Assembly
5. Flasher unit
6. Distributor
7. Wiper Assembly
8. Electric Horn.

[F. No. 5(3)/80/EI&EP]

का० आ० 3496.—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैसर्स जे० इंजिनियरिंग वर्क्स लि० को जिनका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय 23, कास्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली-110 001, में स्थित है, मैसर्स जे० इंजिनियरिंग वर्क्स लि० रोयनगर, बेंगलूर में 24, परगना, पश्चिमी बंगाल में विनिर्मित नीचे दिए गए पंखों का निर्यात से पूर्व निरीक्षण करने के लिए का० आ० 1487, तारीख 16 मई 1981 में अधिसूचित शर्तों के अधीन 16 मई, 1983 से एक और वर्ष की अवधि के लिए, मान्यता देती है।

1. मेज के पंखे,
2. छत के पंखे,
3. एयर-सर्कुलेटर,

[सं० 5 (6)/80-ई० आई० एण्ड ई० पी०]

S.O. 3496.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby recognises for a further period of one year with effect from 16th May, 1983, M/s. Jay Engineering Works Limited having their registered office at 23, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi-110001 as the Agency for inspection of Electric Fans as given below manufactured at M/s. Jay Engineering Works Limited, Roynagar, Bansdroni, 24-Parganas, West Bengal prior to export, subject to the conditions notified vide S.O. 1487, dated 16th May, 1981 :

1. Table Fans,
2. Ceiling Fans,
3. Air-Circulators

[F. No. 5(6)/80/EI&EP]

का० आ० 3497.—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैसर्स जे० के० स्टील तथा इन्डस्ट्रियल लिमिटेड रिशरा (पश्चिमी बंगाल) में विनिर्मित इस्पात के तार के रस्सों का निर्यात से पूर्व निरीक्षण करने के लिए मैसर्स जे० के० स्टील तथा इन्डस्ट्रियल लिमिटेड को जिनका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय 7 काउंसिल हाउस स्ट्रीट कलकत्ता-70001 में स्थित है 16 मई 1983 से एक और वर्ष की अवधि

के-लिए का० आ० 1489 तारीख 16-5-1981 के अनुसार अधिसूचित शर्तों के अधीन रहते हुए, अधिकरण के रूप में मान्यता देती है।

[सं० 5 (7)/80-ई० आई० एण्ड ई० पी०]

S.O. 3497.—In exercise of powers conferred by Sub-section (1) of Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby recognises for a further period of one year with effect from 16th May, 1983 M/s. J. K. Steel and Industries Limited, having their registered office at 7, Council House Street, Calcutta-700001, as the agency, for inspection of steel wire ropes manufactured at M/s. J.K. Steel and Industries Limited, Rishra (West Bengal), prior to export subject to the conditions notified vide S.O. 1489 dated 16th May, 1981.

[No. 5(7)/80/EI&EP]

का० आ० 3498:—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैसर्स दी हंडियन द्यूब कम्पनी लिमिटेड जमशेदपुर में विनिर्मित इस्पात की तार की लड़ों का निर्यात से पूर्व निरीक्षण करने के लिए मैसर्स दी हंडियन द्यूब कम्पनी लिमिटेड को जिनका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय 43, चौरंगी रोड, कलकत्ता-700071 में स्थित है 16 मई, 1983 से एक और वर्ष की अवधि के लिए का० आ० 1491 तारीख 16 मई, 1981 के अनुसार अधिसूचित शर्तों के अधीन रहते हुए अधिकरण के रूप में मान्यता देती है।

[सं० 5(8)/80-ई० आई० एण्ड ई० पी०]

S.O. 3498.—In exercise of powers conferred by sub section (1) of Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby recognises for a further period of one year with effect from 16th May, 1983 M/s. The Indian Tube Company Limited, having their registered office at 43, Chowringhee Road, Calcutta-700071, as the agency, for inspection of steel tubes manufactured at M/s. The Indian Tube Company Limited, Jamshedpur, prior to export, subject to the conditions notified vide S.O. 1491 dated 16th May, 1981.

[No. 5(8)/80/EI&EP]

का० आ० 3499:—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैसर्स सुन्दरम् फास्टर लिमिटेड पेडी, मद्रास-600050 में विनिर्मित कोलकों का निर्यात से पूर्व निरीक्षण करने के लिए मैसर्स सुन्दरम् फास्टर लिमिटेड को जिनका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय 37, माउंट रोड, मद्रास-600006 में स्थित है, 16 मई, 1983 से एक और वर्ष की अवधि के लिए का० आ० 1492 तारीख 16 मई, 1981 के अनुसार अधिसूचित शर्तों के अधीन रहते हुए, अधिकरण के रूप में मान्यता देती है।

[सं० 5 (9)/80-ई० आई० एण्ड ई० पी०]

S.O. 3499.—In exercise of powers conferred by sub-section (1) of Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby recognises for a further period of one year with effect from

16th May, 1983 M/s. Sundram Fasteners Limited, having their registered office at 37, Mount Road, Madras-600006, as the agency, for inspection of fasteners, manufactured at M/s. Sundram Fasteners Limited, Padi, Madras-600050, prior to export, subject to the conditions notified vide S.O. 1492 dated 16-5-1981.

[F. No. 5(9)/80-EI&EP]

का० आ० 3500:—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैसर्स स्पेशल स्टील लिमिटेड, डाटा पुरा रोड, बौरीवली (पूर्व) बम्बई-400066 में विनिर्मित इस्पात के तार की लड़ों का निर्यात से पूर्व निरीक्षण करने के लिए स्पेशल मैसर्स स्टील लिमिटेड को जिनका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय डाटापुरा रोड, बौरीवली (पूर्व) बम्बई-400066 में स्थित है, 16 मई, 1983 से एक और वर्ष की अवधि के लिए का० आ० 1493 16-5-1981 के अनुसार अधिसूचित शर्तों के अधीन रहते हुए, अधिकरण के रूप में मान्यता देती है।

[सं० 5 (10)/80-ई० आई० एण्ड ई० पी०]

सी० बी० कुक्रेती, संयुक्त निदेशक

S.O. 3500.—In exercise of powers conferred by Sub-section (1) of Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby recognises for a further period of one year with effect from 16th May, 1983 M/s. Special Steels Limited, having their registered office at Dattapara Road, Borivli (East), Bombay-400066, as the agency, for inspection of steel wire strands manufactured at M/s. Special Steel Limited, Dattapara Road, Borivli (East), Bombay-400066, prior to export, subject to the conditions notified vide S.O. 1493 dated 16-5-1981.

[No. 5(10)/80/EI&EP]

C. B. KUKRETI, Jt. Director

संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात एवं निर्यात का कार्यालय

अहमदाबाद, 4 जून, 1983

विषय:—सर्वश्री फाइव स्टार एन्टरप्राइजिज अम्बर गांव के नाम में जारी किए गए आयात लाइसेंस सं० पी० सी० 1871511 दिनांक 31-3-81 को रद्द करना।

का० आ० 3501:—सर्वश्री फाइव स्टार एन्टरप्राइजिज, अम्बरगांव को एक पूर्णतया स्वचालित उच्च फ्रीक्वेंसी क्विलिटिंगमशीन और उसके सभी उप-साधन एवं डाइज के आयात के लिए 7,45,864 रु० (सात लाख पैतालिस हजार आठ सौ चौसठ रुपये) (19892000 जापानी येन) के लिए एक आयात लाइसेंस सं० पी० सी० 1871511 दिनांक 31-3-81 प्रदान किया गया था।

उन्होंने उपर्युक्त लाइसेंस की अनुलिपि प्रति जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल सीमाशुल्क तथा विनिमय नियंत्रण प्रतियां सीमाशुल्क प्राधिकारियों के पास पंजीकृत कराए बिना तथा उपयोग में लाए बिना खो गई हैं/अस्थानस्थ हो गई हैं।

अपने दावे के समर्थन में आवेदक ने नोटरी पब्लिक अम्बरगांव के सामने विधिवत् शपथ लेकर एक शपथ-पत्र दाखिल किया है।

मैं संतुष्ट हूँ कि लाइसेंस सं० पी/सी/1871511 दिनांक 31-1-81 की सीमा-शुल्क प्रयोजन तथा विनिमय नियंत्रण प्रतियां खो गई हैं/अस्थानस्थ हो गई हैं और निदेश देता कि उपर्युक्त लाइसेंस की अनुलिपि प्रतियां आवेदक को जारी कर दी जाएं।

उपर्युक्त लाइसेंस की मूल प्रतियां एतद्वारा रद्द की जाती हैं।

टी० टी० लॉ, संयुक्त मुख्य निर्यातक
(आयात-निर्यात)

विषय:—मूल लाइसेंस सं० पी/सी 1871511 दिनांक 31-3-81 के स्थान पर आयात लाइसेंस सं० डी०-2471039 और डी-4471040 दोनों का दिनांक 4-6-83 है की अनुलिपि विनिमय नियंत्रण प्रयोजन एवं सीमा शुल्क प्रयोजन प्रतियां जारी करना।

आपको सूचित किया जाता है कि सर्वश्री फाइव स्टार एन्टरप्राइजिज शेड नं० सी-1/10 अम्बर गांव इन्डस्ट्रियल इस्टेट जी० आई० डी० सी० अम्बर गांव, जिला बुलसर

Office of the Jt. Chief Controller of Imports & Exports, Ahmedabad
Ahmedabad, 4th June, 1983

Sub :—Cancellation of Import Licence No.P/C/1871511 dt. 31-3-81 issued to M/s. Five Star Enterprises Umbergaon.

S.O. 3501.—M/s. Five Star Enterprises, Umbergaon, has been granted licence No. P/C/1871511 dt. 31-3-81 for Rs. 7,45,864/- (Rupees Seven lakhs forty five thousand eight hundred and sixty four only) (Japanese Yen 19892000) for import of Fully automatic high frequency quilting machine with all accessories and dies/quantity one.

They have applied for issue of duplicate copies of the above licence on the ground that the original custom and exchange control copies have been lost/misplaced unutilised without having been registered with Custom Authorities.

In support of their claim the applicants have filed an affidavit only sworn before Notary Public, Umbergaon.

I am satisfied that Custom purpose and Exchange Control copies of licence No.P/C/1871511 dt. 31-3-81 have been lost/misplaced and direct that the duplicate copies of said licence be issued to applicant.

The original copies of the said licence is hereby cancelled.

T. T. LA, Jt. Chief Controller,
Imports & Exports.

Sub :—Issue of duplicate copies of import licence Nos. D.2471039 and D/2471040 both dated 4-6-83 for Exchange Control purpose and Customs Purpose respectively in lieu of original licence No. PC/1871511 dt. 31-3-81.

This is to inform you that the duplicate custom and exchange copies of licence No.P/C/1871511 dated 31-3-81 have been issued to M/s. Five Star Enterprises, Shed No. C-1/10, Umbergaon Industrial Estate, GIDC, Umbergaon Dist. Bulsar, Gujarat State. It is requested that the licence (particulars given below) should not be treated as valid if produced and that information should be sent to this office immediately if the original copy of the said licence has already been presented and utilised at the port.

Lic. No.	Date.	Issued by	Item	Lic. Period	Valid for	Area.
C/1871511 dt. 31-3-81		Jt. CCI E, Ahmedabad.	Capital Goods.	AM81	24 months	GCA
Value utilised		Value unutilised				
Nil		Rs. 7,45,864/-				

[File No. 216/EU/AM.81/21225/CO.Cell]

KANTHARAM, Controller of
Imports & Exports
For Jt. Chief Controller of Imports & Exports

गुजरात राज्य को लाइसेंस सं० पी/सी/1871511 दिनांक 31-3-1981 की सीमाशुल्क एवं विनिमय नियंत्रण प्रतियां जारी की गई हैं। अनुरोध है कि यदि लाइसेंस (जिसका विवरण नीचे दिया गया है) प्रस्तुत किया जाता है तो इसे वैध नहीं माना जाना चाहिए और यदि उपर्युक्त लाइसेंस की मूल प्रति उसके पत्तन पर पहले ही प्रस्तुत की जा चुकी है या प्रयुक्त की गई है तो इसकी सूचना तुरन्त इस कार्यालय को भेजी जानी चाहिए।

लाइसेंस सं० किसने मर्दें लाइसेंसिंग वैधता क्षेत्र
एवं तिथि जारी अवधि अवधि
किया

पी/सी/ सं०मु० पंजीगन ए०एम० 24 मास सामान्य
1871511 नि०आ० माल -81 मुद्रा-
दिनांक नि० क्षेत्र
31-3-81 अहमदाबाद

अप्रयुक्त मूल्य

7,45,864 - रुपए

[मिसिल सं० 216/ई०यू/ए०एम-81/21225/सी जी सेल]

कंठ राम, निर्यातक,
(आयात-निर्यात)

रुते संयुक्त मुख्य निर्यातक, आयात-निर्यात

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, 26 अगस्त, 1983

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 26th August, 1983

का० आ० 3502:—केन्द्रीय सरकार, सरकारी स्थान (अप्रामाण्य कृत अधिकारियों की बेदखली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे की सारणी के स्तम्भ (1) में वर्णित अधिकारी को सम्पदा अधिकारी के रूप में नियुक्त श्री कुलदीप राय के स्थान पर, देखिए अधिसूचना संख्या का० आ० 1999 ; तारीख 10 जुलाई, 1980, उक्त अधिनियम के प्रयोजन के लिए सम्पदा अधिकारी नियुक्त करती है, और अतः यह निर्देश देती है कि पूर्वोक्त अधिकारी उक्त सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट सरकारी स्थानों की बाबत, उक्त अधिनियम द्वारा या उसके अधीन सम्पदा अधिकारी प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग और अधिरोपित कर्तव्यों का पालन करेगा।

अधिकारी का नाम	सरकारी स्थान
1	2
श्री प्यारे लाल, अवर सचिव, उद्योग मंत्रालय, औद्योगिक विकास विभाग, उद्योग भवन, मौलाना आज़ाद रोड, नई दिल्ली, 110011.	उद्योग भवन, नई दिल्ली:

S.O.3502—In exercise of the powers conferred by section 3 of the public premises (Eviction of Un-authorized Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby appoints the officer mentioned in column (1) of the Table below, to be the Estate Officer for the purposes of the said Act, vide Shri Kuldip Rai, appointed as Estate Officer, vide notification no. S.O. 1999, dated the 10th July, 1980, and further directs that the aforesaid officer shall exercise the powers conferred, and perform the duties imposed, on the estate officer by or under the said Act, in respect of public premises specified in column (2) of the said table.

Name of the Officer	Public Premises
(1)	(2)
SHRI PIARE LAL, UNDER SECRETARY, MINISTRY OF INDUSTRY, DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT UDYOG BHAVAN, MAULANA AZAD ROAD, NEW DELHI—110011	UDYOG BHAVAN NEW DELHI— 110011

[फा० सं० डी-11013 (3)/80-सा० प्रा०]

ए० पी० सरवान, संयुक्त सचिव

[F. No. D—11013 (3)/80-GA]
A.P. SARWAN, Jt. Secy.

नगरिक पूर्ति मंत्रालय

(नगरिक पूर्ति विभाग)

भारतीय मानक संस्था

नई दिल्ली, 1983-07-26

का० आ० 3503:—समय समय पर संगोष्ठित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) के विनियम, 1955 के विनियम, 14 के उपविनियम (4) के अनुसार भारतीय मानक संस्था की ओर से एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि लाइसेंस संख्या सी०-एम/एल-1157139 जिसके व्योरे नीचे अनुसूची में दिए गए हैं लाइसेंसधारी द्वारा लाइसेंस लौटा देने के कारण 83-03-16 से रद्द कर दिया गया है।

अनुसूची

क्रम संख्या	लाइसेंस संख्या और पता	लाइसेंसधारी का नाम और पता	रद्द किए गए लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रक्रिया	सम्बद्ध भारतीय मानक
1.	सीएम/एल-1157139 83-01-29	रतनेश ब्रदर्स जी टी रोड, गौरागा 144409 जिला जलंधर (पंजाब)	दातेदार मिनिडर वाली, क्ली डलाई प्रणाली वाले शक्ति चालित ध्रेशर सम्बन्धी सा- मान्य एवं सुरक्षा अपेक्षाएं रेटिंग 1.5 कि०वा० से 18.5 कि०वा० (5 से 25 ह्वा० पा०)	IS : 9020-1979 शक्ति चालित ध्रेशरों की सामान्य और सुरक्षा अपेक्षाओं की विनिर्दिष्ट

[सी० एम० डी०/55 : 1157139]

ए० पी० ब्रजजी, अपर महानिदेशक

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES
INDIAN STANDARDS INSTITUTION

New Delhi, dated 1983-07-26

S.O. 3503.—In pursuance of sub-regulation (4) of regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulation 1955 as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that licence No. CM/L-1157139 particulars of which are given below has been cancelled with effect from 83-03-16.

SCHEDULE

Sl. No.	Licence No. & Date	Name and address of the licensee	Article/Process covered by the licence Cancelled	Relevant Indian Standards
1	2	3	4	
1.	CM/L-1157139 83-01-29	Ratnesh Brothers, G.T. Road, Goraya 144 409 Dist Jullundur (Punjab).	General & Safety Requirements for Power Thresher, Spike Tooth Cylinder type with Feeding system covered chute rating 1.5 kw to 18.5 kw (5 hp to 25 hp).	IS : 9020 Specification General & Safety Requirements for Power Thresher.

[CMD/55 : 1157139]

A. P. BANERJEE, Additional Director General

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 24 अगस्त, 1983

का०आ० 3504—भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 11 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार आयुर्विज्ञान परिषद से परामर्श करने के पश्चात् एतद्वारा उक्त अधिनियम की प्रथम अनुसूची में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्:—

उपर्युक्त अनुसूची में मणिपुर विश्वविद्यालय से संबंधित प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियाँ रखी जाएंगी अर्थात्
“मंगलौर विश्वविद्यालय बैचलर आफ मेडिसिन एम० बी० बी० और बैचलर आफ एम०”
सर्जरी

[सं० बी०-11015/5/82-एम ई (नीति)]
प्रकाश चन्द जैन, अवर सचिव

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE
(Department of Health)

New Delhi, the 24th August, 1983.

S.O. 3504.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 11 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956) the Central Government, after consulting the Medical Council of India, hereby makes the following further amendments in the First Schedule to the said Act, namely:—

In the said Schedule, after the entry relating to Manipur University, the following entries shall be inserted, namely:—

“Mangalore University
Bachelore of Medicine M.B.B.S.
and Bachelore of
Surgery

[No. V. 11015/5/82-M.E. (Policy)]
P. C. JAIN, Under Secy.

ऊर्जा मंत्रालय

(विद्युत विभाग)

नई दिल्ली, 2 अगस्त, 1983

का० आ० 3505—भारतीय बिजली अधिनियम, 1910 (1910 का 9) की धारा 36-क उप धारा 2 (क) के अनुसरण में केन्द्र सरकार श्री ए० एन० सिंह अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण को श्री एम० एन० राय के स्थान पर केन्द्रीय विद्युत बोर्ड का अध्यक्ष नामित करती है।

[सं० 25 (17)/83-डी० (एस० ई० बी०)]
जी० एल० जेरथ, डेस्क अधिकारी

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Power)

New Delhi, the 2nd August, 1983.

S.O. 3505.—In pursuance of Sub-section 2(a) of Section 36A of the Indian Electricity Act, 1910 (9 of 1910), the Central Government is pleased to nominate Shri A. N. Singh, Chairman, Central Electricity Authority, as Chairman of the Central Electricity Board vide Shri S. N. Roy.

[No. 25(17)/83-D (SEB)]
G.L. JERATH, Desk Officer

(कोयला विभाग)

नई दिल्ली, 23 अगस्त, 1983

का० आ० 3506 — केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (कोयला विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 1738 तारीख 6 मार्च, 1981 द्वारा जो भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii), तारीख 13 जून, 1981 में प्रकाशित की गई थी, इससे संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट परिच्छेद में 7225.00 एकड़ (लगभग) या 2923.81 हैक्टर (लगभग) माप की भूमि में कोयला का पूर्वक्षण करने के अपने आशय की सूचना दी थी;

और उक्त भूमि की बाबत, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन कोई सूचना नहीं दी है ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, 18 जून, 1983 से आरम्भ होने वाली एक वर्ष की और अवधि को ऐसी अवधि के रूप में विनिर्दिष्ट करती है जिसके भीतर केन्द्रीय सरकार उक्त भूमि का या ऐसी भूमि में या उस पर के निम्नी अधिकारों का अर्जन करने के अपने आशय की सूचना देनी;

इस अधिसूचना के अधीन आने वाली भूमि में हितबद्ध सभी व्यक्ति, उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (7) में निर्दिष्ट सभी नकशों, चार्टों और अन्य दस्तावेजों को, इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 90 दिन के भीतर राजस्व अधिकारी, सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड, दरभंगा, हाउस, रांची (बिहार) को भेजेंगे :

अनुसूची

जयन्ती ब्लॉक

जयन्ती कोयला क्षेत्र

क्रम सं.	ग्राम	ग्राम सं.	अंचल	उपडिवीजन	जिला	क्षेत्र	टिप्पणियां
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	काला झरिया	1	जमतारा	जमतारा	संघाल परगना		भाग
2.	पीपरा	467	करन	वेवधर	"		"
3.	बैजूतानर	468	"	"	"		"
4.	खुरखुरिया	469	"	"	"		"
5.	भंडारी	470	"	"	"		"
6.	बासको	481	"	"	"		"
7.	बामरबाघ	482	"	"	"		पूर्व
8.	खरखोरी	483	"	"	"		भाग
9.	काभो	539	"	"	"		"
10.	बांसजोरा	540	"	"	"		पूर्व
11.	मनुमातनर	541	"	"	"		भाग
12.	सिमरा	563	"	"	"		"
13.	जपडीह	564	"	"	"		"
14.	डिपबाद	567	"	"	"		"
15.	बाड़िया	558	"	"	"		पूर्व
16.	हुरपी	589	"	"	"		भाग
17.	सामर भंगा	592	"	"	"		"
18.	बासकूपी	594	"	"	"		"
19.	कासी बाघ	595	"	"	"		पूर्व
20.	मिसरा	596	"	"	"		"
21.	नागाहारी	597	"	"	"		भाग
22.	भोरीडीहा	598	"	"	"		"
23.	बरगहर	600	"	"	"		"
24.	सिरसीया	601	"	"	"		पूर्व
25.	बिराजपुर	602	"	"	"		"

1	2	3	4	5	6	7	8
26.	धनियाडीह	603	करन	देवधर	संथाल परगना		भाग
27.	कसहो	604	"	"	"		पूर्ण
28.	पहाड़दाहा या मदन केता	605	"	"	"		भाग
29.	काठमीरखी	607	"	"	"		"
30.	गोड़मारा	610	"	"	"		"
31.	बीरानगढ़िया	611	"	"	"		पूर्ण
32.	चोब की यारी	618	"	"	"		भाग
33.	गड़वा	619	"	"	"		पूर्ण
34.	शिवातानर	620	"	"	"		"
35.	सोमाबांक	621	"	"	"		भाग
36.	केनाबारिया	622	"	"	"		"
37.	रानीडीह	640	"	"	"		"

कुल क्षेत्र 7225.00 एकड़ (लगभग)

या 2923.81 हैक्टर (लगभग)

सीमा वर्णन : —

क-ख रेखा पीपरा, बँजतानर, खुखुरिया और भंडारो ग्रामों से होकर जाती है।

ख-ग रेखा देवधर उपखंड के भंडारो, घासको, महुआतानर, सिमरा, जगडीह, दिगबाद, नामाडारी, भोराडीहा, बरखशहर, जमतारा उपखंड के केनाबारिया और देवधर उपखंड के केनाबारिया और रानीडीह ग्रामों से होकर जाती है।

ग-घ रेखा, रानीडीह सोमाबांक, चोबकीयारी ग्रामों से होकर जाती है।

घ-ड. रेखा उस नदी की मध्य रेखा के साथ-साथ जाती है जो चोबकीयारी और ननियातानर ग्रामों के साथ भागतः सम्मिलित सीमा चोबकीयारी और जमदेवर, चोबकीयारी और आसनगती, बीरानगढ़िया और जशो बांध, बीरानगढ़िया और काई-राकों बीरानगढ़िया और धनियाजोरी ग्रामों के साथ सम्मिलित सीमा, बीरानगढ़िया और गोड़मारा ग्रामों की भागतः सम्मिलित सीमा बनाती है।

ड-च रेखा गोड़मारा, काठमीरखी और सागरभगा ग्रामों से होकर जाती है।

च-छ रेखा बाधेधारा नदी की भागतः मध्यरेखा के साथ साथ जाती है (जो बांमनुपी और तिल बोरिया, बाड़िया और नवा-डीह ग्रामों के साथ सम्मिलित सीमा तथा बाड़िया और हरणी ग्रामों की भागतः सम्मिलित सीमा बनाती है।

छ-क रेखा हरणी काओ, खरजोरी और पीपरा ग्रामों से होकर जाती है और आरंभिक बिंदु "क" पर मिलती है।

टिप्पण 1:— ज-झ-न-ट-ठ-ड-ढ और ज द्वारा परिसीमित भाग को छोड़कर जिरकी रेखाएँ बाराकूपी, धनियाडीह ग्रामों से होकर, धनियाडीह और पहाड़दाहा या मदनकेता ग्रामों की भागतः सम्मिलित सीमा के साथ-साथ फिर सागरभगा ग्राम से होकर जाती है।

टिप्पण 2:— ड्राइंग सं० राजस्व/110/80-तारीख 2-11-80 (जिसमें पूर्वोक्त के लिए अधिसूचित की गई भूमि दर्शाई की गई है) सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड, रांची (बिहार) के और कोथला नियंत्रक, काउन्सिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता के कार्यालय में देखी जा सकती है।

[सं० 19/60/80-सी० एल०]

समय सिंह, अवर सचिव

(Department of Coal)

New Delhi, the 23rd August, 1983

S.O. 3506 —Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Coal) No. S.O. 1738 dated the 6th March, 1981, issued under sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act 1957 (20 of 1957), published in the Gazette of India, Part II, Section 3 Sub-section (ii), dated the 13th June, 1981, the Central Government gave notice of its intention to prospect for coal in lands measuring 7225.00 acres (approximately) or 2923.81 hectares (approximately) in the locality specified in the Schedule appended hereto;

And whereas in respect of the said lands, no notice under sub-section (1) of section 7 of the said Act has been given;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby specifies a further period of one year commencing from the 13th June, 1983, as the period within which the Central Government may give notice of its intention to acquire the said lands or any rights in or over such lands.

All persons interested in the lands covered by this notification shall deliver all maps, charts and other documents referred to in sub-section (7) of section 13 of the said Act to the Revenue Officer, Central Coalfields Ltd., Darbhanga House, Ranchi (Bihar) within 90 days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

SCHEDULE

Jayanti Block

Jayanti Coal field

Serial No.	Village	Village numbers	Anchal	Sub-Division	District Area	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
1.	Kalajharia	1	Jamtara	Jamtara	Santhal Pargana	Part
2.	Pipra	467	Karan	Deoghar	"	"
3.	Baijutanr	468	"	"	"	"
4.	Khurkhuria	469	"	"	"	"
5.	Bhandaro	470	"	"	"	"
6.	Ghasko	481	"	"	"	"
7.	Khamarbad	482	"	"	"	Full
8.	Kharjori	483	"	"	"	Part
9.	Kao	539	"	"	"	"
10.	Bansjora	540	"	"	"	Full
11.	Mahuatanr	541	"	"	"	Part
12.	Simra	553	"	"	"	"
13.	Jagadih	554	"	"	"	"
14.	Digbad	557	"	"	"	"
15.	Radiya	558	"	"	"	Full
16.	Harni	559	"	"	"	Part
17.	Sagarbhanga	592	"	"	"	"
18.	Baskupi	594	"	"	"	"
19.	Kalibandh	595	"	"	"	Full
20.	Misra	596	"	"	"	"
21.	Nagadari	597	"	"	"	Part
22.	Bhorandiha	598	"	"	"	"
23.	Burbshar	600	"	"	"	"
24.	Sirsiya	610	"	"	"	Full
25.	Birajpur	602	"	"	"	"
26.	Dhaniyadih	608	"	"	"	Part
27.	Kalho	604	"	"	"	Full
28.	Pahardaha or Madanketa	605	"	"	"	Part
29.	Kathmirkhi	607	"	"	"	"
30.	Gormara	610	"	"	"	"
31.	Birangariya	611	"	"	"	Full
32.	Chobkiyari	618	"	"	"	Part
33.	Ganduba	619	"	"	"	Full
34.	Sivatanr	620	"	"	"	Full
35.	Somabank	621	"	"	"	Part
36.	Kenabariya	622	"	"	"	"
37.	Ranidi	640	"	"	"	"

Total area :—7225.00 acres (approximately)

or 2932.81 hec. (approximately)

Boundary Description :—

- A—B line passes through villages Pipra, Baijutanr, Khurkhuriya and Bhandaro.
- B—C line passes through villages Bhandaro, Ghasko, Mahuatanr, Simra, Jagadih, Digbad, Nagadari, Bhorandiha, Burbshar of Deoghar Sub-Division, Kalajharia of Jamtara Sub-Division and Kenabariya and Ranidi of Deoghar Sub-Division.
- C—D line passes through villages Ranidi, Sonabank, Chobakiyari.
- D—E line passes along the Central line of the River which forms part common boundary with the villages of Chobkiyari and Naniyatanr, common boundary with the villages of Chobkiyari and Jamdabar, Chobkiyari & Asanbani, Birangariya & Jashobandh, Birangariya & Koirako, Birangariya & Chandia Jori, part common boundary of villages Birangariya & Gormara.

E—F	line passes through villages Goramra, Kathmirkhi and Sagarbhanga.
F—G	line passes along the part central line of Baghdara Nadi (which forms common boundary with the villages of Baskup and Tilberiya Badiya & Nawadih and forms part common boundary of villages Badiya and Harni).
G—A	line passes through villages Harni, Kao, Kharjori and Pipra and meets at starting point 'A'.
Note 1 :—	Excluding the portion bounded by H-I-J-K-L-M-N and H which passes through villages Baskupi, Dhariyadih, along the part common boundary of villages Dhariyadih & Pahardaha or Madankata through village Pahardaha & Kathmirkhi along the part common boundary of villages Sagarbhanga & Kashitanr then through village Sagarbhanga.
Note :—	Drawing No. Rev./110/80 dated 2-11-1980 (showing lands notified for prospecting) can be seen at the office of the Central Coalfields Ltd. Ranchi (Bihar) and the Coal Controller 1, Council House Street, Calcutta.

[No. 19/60/80-CL]

SAMAY SINGH, Under Secy.

खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय

(खाद्य विभाग)

नई दिल्ली, 25 अगस्त, 1983

का०आ० 3507.—केन्द्रीय सरकार राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग, नियम 1976 के नियम 10 के उप नियम (4) के अनुसरण में, खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय (खाद्य विभाग) के निम्नलिखित कार्यालय जिसके कर्मचारी बृन्द ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, को अधिसूचित करती है :-

1. सेंट्रल वेयरहाउसिंग कारपोरेशन
क्षेत्रीय कार्यालय,
दिल्ली।

[सं० ई-11017/5/83 -हिन्दी]

एन० के० एस० झाला, निदेशक (विद्यमान)

MINISTRY OF FOOD & CIVIL SUPPLIES

(Department of Food)

New Delhi, the 25th August, 1983.

S.O. 3507.—In pursuance of sub-rule 4 of rule 10 of the Official Language (Use for official purposes of the Union) Rules, 1976 the Central Government hereby notifies the following office of the Ministry of Food and Civil Supplies (Department of Food), the staff whereof have acquired the working knowledge of Hindi :—

1. Central Warehousing Corporation,
Regional Office,
Delhi.

[No. E-11017/5/83-Hindi]

N.K.S. JHALA, Director (Processing)

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

(नागर विमानन विभाग)

नई दिल्ली, 22 अगस्त, 1983

का०आ० 3508.—केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उस समयावधि को जिसके कि अन्दर अन्दर भारत सरकार के पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय की अधिसूचना सं० ए० बी० 15013/5/82-ए दिनांक 28 जून 1982 द्वारा नियुक्त की गई जांच अदालत को उपर्युक्त अधिसूचना में निर्दिष्ट मामले की जांच पूरी करने तथा केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत

करने की आशा की और आगे बढ़ाकर 30 सितम्बर, 1983 करती है।

[फाइल सं० ए० बी० 15013/5/82-ए]

बी० एन० झा, निदेशक

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION

(Department of Civil Aviation)

New Delhi, the 22nd August, 1983

S.O. 3508.—The Central Government hereby further extends upto the 30th September, 1983, the period of time within which the Court of Inquiry appointed by the Government of India in the Ministry of Tourism and Civil Aviation's Notification No. Av. 15013/5/82-A dated 28th June, 1982, will be expected to complete its inquiry into the matter specified in the Notification mentioned above and report to the Central Government.

[F. No. Av. 15013/5/82-A]

B. N. JHA, Director

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, 23 अगस्त, 1983

का० आ० 3509.—भारतीय रेल अधिनियम 1980 (1890 का अधिनियम IX) की धारा 82 ख द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री अशोक कुमार सिन्हा, अतिरिक्त जिला एवं सेशन न्यायाधीश, भागलपुर को, अतिरिक्त जिला एवं सेशन न्यायाधीश, भागलपुर के रूप में अपने कर्तव्यों के अतिरिक्त पुर्वोत्तर रेलवे के नारायणपुर और धाना बोहपुर स्टेशनों के बीच 20-6-82 को, 3 डाउन आसाम मेल की दुर्घटना के परिणामस्वरूप उत्पन्न हुए दावों के निपटान के लिए, वाया आयुक्त के रूप में नियुक्त करती है। उनका मुख्यालय भागलपुर में होगा

[सं० 83 ई (ओ) II/1/3]

हिम्मत सिंह, सचिव रेलवे बोर्ड एवं पदेन संयुक्त सचिव,
भारत सरकार

MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

New Delhi, the 23rd August, 1983

S.O. 3509.—In exercise of the powers conferred by Section 82 B of the Indian Railways Act, 1890 (Act IX of 1900), the Central Government hereby appoints Shri Ashok Kumar Sinha, Addl. District and Sessions Judge, Bhagalpur, as Claims Commissioner to deal with Claims arising out of accident to 3 Dn. Assam Mail between Narayanpur and

Thanabihpur Stations of N.E. Railway on 20-6-82 in addition to his own duties as Addl. District & Sessions Judge, Bhagalpur. His headquarters will be at Bhagalpur.

[No. 83/E(O)/II/1/3]

HIMMAT SINGH,

Secretary, Railway Board & ex-Office
Joint Secretary to the Govt. of India.

संचार मंत्रालय

(डाक तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 27 अगस्त, 1983

का०आ० 3510.—स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक, 8 मार्च 1960 द्वारा लागू किये गये भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खण्ड III के पैरा (क) अनुसार डाक तार महानिदेशक ने अलन्डी टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 16-9-83 में प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[संख्या 5-7/83-पी०एच०बी०]

आर०सी० कटारिया, सहायक महानिदेशक (पी०एच०बी०)

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(P & T Board)

New Delhi, the 27th August, 1983

S.O. 3510.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specified 16-9-1983 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in ALANDI Telephone Exchange MAHARASHTRA Circle.

[No. 5-7/83-PHB]

R. C. KATARIA, Asstt. Director General (PHB)

नई दिल्ली, 1 सितम्बर, 1983

का०आ० 3511.—मुँकि जालंधर टेलीफोन एक्सचेंज प्रणाली के स्थानीय क्षेत्र में परिवर्तन की बाबत एक नई साधारण सूचना जैसा कि भारतीय तार नियमावली 1961 के नियम 434(iii) (बी बी) में अपेक्षित है, जालंधर में उपलब्ध समाचार पत्रों में छापी गई थी और जिन लोगों पर इस परिवर्तन का प्रभाव पड़ेगा की संभावना थी उनसे यह कहा गया था कि इस बारे में यदि उन्हें कोई आपत्ति हो या उनको कोई सुझाव हों तो वे इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 30 दिनों के भीतर उसे धेजने का कष्ट करें;

और चूंकि जानकारी सर्वसाधारण की जानकारी के लिए उक्त सूचना 4 अप्रैल, 1983 को दैनिक "द ट्रिब्यून" चंडीगढ़ "अजीत" जालंधर "हिन्दी मिलाप" जालंधर, "हिन्दू समाचार" जालंधर में प्रकाशित हुई थी तथा उपरोक्त समाचार पत्रों में ही क्रमशः तारीख 1-7-83, 11-5-83, 14-5-83 तथा 11-5-83 को शुद्धि पत्र प्रकाशित कराई गई थी;

और चूंकि उक्त सूचना पर लोगों से कोई आपत्ति और सुझाव प्राप्त नहीं हुए;

इसलिए अब उक्त नियमावली के नियम 434 (iii) (बी०बी०) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महानिदेशक, डाकघर इस बात का घोषणा करते हैं कि तारीख 16-9-83 से जालंधर टेलीफोन प्रणाली का स्थानीय संशोधित क्षेत्र इस प्रकार होगा :

जालंधर टेलीफोन एक्सचेंज प्रणाली : जालंधर टेलीफोन एक्सचेंज प्रणाली का स्थानीय क्षेत्र वही होगा जो जालंधर नगरपालिका तथा जालंधर छावनी के क्षेत्राधिकार में पड़ता है किन्तु वे टेलीफोन उपभोक्ता

को जालंधर नगरपालिका तथा छावनी संभा के बाहर स्थित हों, किन्तु जिन्हें जालंधर टेलीफोन एक्सचेंज प्रणाली से सेवा प्राप्त होती है वे इस प्रणाली के किसी भी एक्सचेंज से जब तक 5 कि.मी० दूरी के भीतर स्थित रहेंगे और इस प्रणाली से जुड़े रहेंगे तब तक स्थानीय शुल्क दर से अदायगी करेंगे।

[म० 3-2/82-पी०एच०बी०]

एम० बी० राममूर्ति, निदेशक फोन (ई)

New Delhi, the 1st September, 1983

S.O. 3511.—Whereas a public notice for revising the local area of Jalandhar Telephone Exchange System was published as required by rule 434(III) (bb) of the Indian Telegraph Rules, 1951 in the Newspapers in circulation at Jalandhar, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby, within a period of 30 days from the date of publication of the notice in the Newspapers;

And whereas the said notice was made available to the public on 4th April, 1983 in daily newspapers 'The Tribune' Chandigarh, 'Ajit' Jalandhar, 'Hindi Milap' Jalandhar and 'Hind Samachar' Jalandhar and Corrigendum issued in these newspapers on 1-7-83, 11-5-83, 14-5-83 and 11-5-83 respectively.

And whereas no objections and suggestions have been received from the public on the said notice;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by rule 434 (bb) of the said Rules the Director General Posts and Telegraphs hereby declares that with effect from 16-9-83 the revised local area of Jalandhar Telephone System shall be as under;

Jalandhar Telephone Exchange System.—The Local area of Jalandhar Telephone System shall cover an area falling under the jurisdiction of Jalandhar City Municipality and Jalandhar Cantonment area.

Provided that the Telephone subscribers located outside Jalandhar City Municipality and cantonment area limits but who are served from any exchange of the system shall continue to pay local tariffs as long as they are within 5 KMs of any exchange located within the system and remain connected to it.

[No. 3-2/82-PHB]

M. B. RAMAMURTHY, Director of Phones (E)

नई दिल्ली, 2 सितम्बर, 1983

का०आ० 3512.—अस्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किये गये भारतीय तार नियम 1951 के नियम 434 के खण्ड III के पैरा (क) के अनुसार डाक तार महानिदेशक ने विक्रमासिन्ध्यापुरम टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 16-9-83 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[सं० 5-4/83-पी०एच०बी०]

आर० सी० कटारिया, सहायक महानिदेशक (पी०एच०बी०)

New Delhi, the 2nd September, 1983

S.O. 3512.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1961, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specified 16-9-1983 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in VICKRAMASINGAPURAM Telephone Exchange TAMIL NADU Circle.

[No. 5-4/83-PHB]

R. C. KATARIA, Asstt. Director General (PHB)

अम तथा पुनर्वास मंत्रालय

अम विभाग

नई दिल्ली, 30 जून, 1983

का० आ 3513.—केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषय के बारे में भारतीय स्टेट बैंक, हैदराबाद के प्रबंधतंत्र से सम्बन्धित एक औद्योगिक विवाद नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच विद्यमान है; और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना बांछनीय समझती है;

अतः, अम केन्द्रीय सरकार औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (i) के खंड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री एस० बी० रमन रेड्डी होंगे जिसका मुख्यालय हैदराबाद में होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

"क्या भारतीय स्टेट बैंक के स्टाफ प्रशिक्षण केन्द्र, हैदराबाद के संबंध में भारतीय स्टेट बैंक प्रबंधतंत्र द्वारा श्री एम० परुशराम, बिजली मिस्त्री की सेवाओं को 31-3-1982 से समाप्त करने की कार्यवाही न्यायोचित है? यदि नहीं, तो संबंधित कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है?"

[सं० एल० 12012/263/82-डी-II (ए)]

MINISTRY OF LABOUR & REHABILITATION

(Department of Labour)

ORDER

New Delhi, the 30th June, 1983.

S.O. 3513.—Whereas the Central Government is of the opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation of the management of State Bank of India, Hyderabad and their workman in respect of the matter specified in the schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri S.V. Ramana Reddy shall be the Presiding Officer, with headquarters at Hyderabad and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of the State Bank of India in relation to their Staff Training Centre, Hyderabad in terminating the services of Shri N. Parusharam, Electrician with effect from 31-3-1982 is justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled?"

[No. L-12012/263/82-D.II(A)]

आदेश

नई दिल्ली, 25 जुलाई, 1983

का० आ० 3514.—केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषय के बारे में स्टेट बैंक आफ बीकानेर एंड जयपुर, जयपुर के प्रबंधतंत्र से संबंधित एक औद्योगिक विवाद नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच विद्यमान है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्याय निर्णयन के लिए निर्देशित करना बांछनीय समझती है;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (i) के खंड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री महेन्द्र भूषण शर्मा होंगे जिसका मुख्यालय जयपुर में होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

"क्या स्टेट बैंक आफ बीकानेर एंड जयपुर, जयपुर के प्रबंधतंत्र की अपनी लालसोट शाखा के संबंध में श्री हरि-शंकर शर्मा की सेवाएँ मई, 1972 में समाप्त करने की कार्यवाही न्यायोचित है? यदि नहीं तो संबंधित कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है?"

[संख्या एल० 12012/308/82-डी II (ए)]

New Delhi, the 25th July, 1983.

ORDER

S.O. 3514.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of State Bank of Bikaner & Jaipur and their workman in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri Mahender Bhushan Sharma shall be the Presiding Officer, with headquarters at Jaipur and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of State Bank of Bikaner and Jaipur, Jaipur in relation to its Lalasot Branch in terminating the services of Shri Hari Shankar Sharma in May, 1972 is justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled?"

[No. L-12012/308/82-D.II(A)]

का० आ० 3515.—केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषय के बारे में स्टेट बैंक आफ बीकानेर एंड जयपुर, जयपुर के प्रबंधतंत्र से संबंधित एक

औद्योगिक विवाद नियोजका और उनके कर्मकारों के बीच विद्यमान है ;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना बांछनीय समझती है ;

अतः अब केन्द्रीय सरकार औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7 क और धारा 10 की उप-धारा (i) के खंड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री महेन्द्र भूषण शर्मा होंगे, जिसका मुख्यालय जयपुर में होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

“क्या स्टेट बैंक आफ बिकानेर एंड जयपुर, जयपुर के प्रबन्धतंत्र की अपने मंडलगढ़ बैंक के संबंध में श्री महेन्द्र कुमार सेन की सेवाएं अप्रैल 1976 में समाप्त करने की कार्यवाई न्यायोचित है ? यदि नहीं तो संबंधित कर्मकार किस अनु-तोष का हकदार है ?”

[संख्या एल 12012/312/82-डी II (ए)]

ORDER

S.O. 3515.—Whereas the Central Government is of the opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of State Bank of Bikaner & Jaipur, Jaipur and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed ;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 7A and clause (d) of sub-section (i) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri Mahendra Bhushan Sharma shall be the Presiding Officer, with headquarters at Jaipur and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

“Whether the action of the management of State Bank of Bikaner and Jaipur, Jaipur in relation of its Mandlagarh Bank in terminating the services of Shri Mahendra Kumar Sen, in April 1976 is justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled?”

[No. L-12012/312/82-D. II(A)]

आदेश

नई दिल्ली, 2 अगस्त 1983

का ०आ० 3516.—केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषय के बारे में साउथ मलबार ग्रामीण बैंक, मालापुरम के प्रबंधतंत्र से संबंधित एक औद्योगिक विवाद नियोजकों और उसके कर्मकारों के बीच विद्यमान है ;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना बांछनीय समझती है :

641GI/83—5

अतः अब केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (i) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री टी० अरूल राज होंगे जिसका मुख्यालय मद्रास में होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

“क्या साऊथ मलबार ग्रामीण बैंक, प्रधान कार्यालय मालापुरम (केरल के प्रबन्धतंत्र की उनकी कालीकर शाखा से संबंधित कनिष्ठ लिपिक श्री ई० विजयराजन की सेवाओं को 8-2-82 से समाप्त करने की कार्यवाई न्यायोचित है ? यदि नहीं तो संबंधित कर्मकार कि अनुतोष का हकदार है ?

[सं० एल-12012/125/83-डी० II(ए)]

एन० के० वर्मा, डेस्क अधिकारी

ORDER

New Delhi, the 2nd August, 1983.

S.O. 3516.—Whereas the Central Government is of the opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of South Malabar Gramin Bank, Malappuram and their workman in respect of the matter specified in the schedule hereto annexed ;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 7A and clause (d) of sub-section (i) of section 10 of the Industrial Dispute Act 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri T. Arul Raj at Madras and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

“Whether the action of the management of South Malabar Gramin Bank, Head Office, Malappuram (Kerala) in relation to their Calicut Branch in terminating the services of Shri E. Vijayarajan, Junior Clerk with effect from 8-2-82 is justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled?”

[No. L-12012/125/83-D. II(A)]

N. K. VERMA, Desk Officer

New Delhi, the 25th August, 1983

S.O. 3517.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal Calcutta in the industrial dispute between the employers in relation to the Bank of Baroda, Calcutta and their workmen, which was received by the Central Government on the 19th August, 1983.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, CALCUTTA

Reference No. 17 of 1982

PARTIES:

Employer in relation to the management of Bank of Baroda

AND

Their workman.

PRESENT :

Mr. Justice M. P. Singh, Presiding Officer.

APPEARANCES :

On behalf of Employers—Mr. L. N. Basak, Personnel Officer.

On behalf of Workman—Absent.

STATE : West Bengal

INDUSTRY : Banking

AWARD

By Order No. L-12012/326/81-D.II(A) dated 5th May, 1982 the Government of India, Ministry of Labour referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of Bank of Baroda, 3-B, Camac St., Calcutta in not giving the rise of Rs. 65 per month to Shri Ram Dayal Dubey on his promotion from sub-staff to Godown Keeper in accordance with the agreement dated 3-10-78 as given to the sub-staff promoted subsequently is justified? If not, to what relief is the concerned workman entitled and from what date?"

2. The facts in brief are this : The concerned workman named Ram Dayal Dubey was appointed in the service of the Bank of Baroda in subordinate cadre in the year 1954. He was promoted to the clerical cadre in December 1970 (to the post of Godown Keeper). After promotion to the clerical cadre in 1970 his salary and allowances were fixed in terms of the Bipartite Settlement which he immediately accepted. On 3rd October, 1978 there was an agreement between All India Bank of Baroda Employees Federation on the one side and the Bank of Baroda on the other. The agreement is Ext. M-1. This agreement was admittedly applicable only to those promotees from sub-staff to clerical cadre who got promotion in the year 1972 and onwards. The concerned workman Ram Dayal Dubey who had been promoted in the year 1970 claimed benefit under this agreement. The argument of the bank is that since Ram Dayal Dubey was promoted in the year 1970 the provisions of the said agreement are not applicable to him and he is not entitled to any benefit as claimed by him. I think the argument is sound. Clauses 11.1 and 12.3 of the said agreement which are relevant on the issue involved in the present case are as under :

"11.1 It is agreed that the basic salary of a member of the subordinate staff on promotion as clerk would be fixed in the clerical scale of pay at that stage that would give him a rise of minimum Rs. 65/- in his total emoluments as subordinate staff on the pay immediately preceding the date of his promotion as clerk. The total emoluments as a member of the subordinate staff for this purpose would mean a sum of basic salary, dearness allowance, house rent allowance, if any, city compensatory allowance, if any, and special allowance, if any.

12.3 The salaries of subordinate staff promoted to clerical cadre in the year 1972 and subsequently will be first adjusted in terms of clause 11.1 above as on the date of their promotion to clerical cadre. Increments earned in the clerical scale for service after promotion will be added to that basic pay to find out the basic salary as on 1st December, 1977. Arrears on account of difference in basic salary and consequent increase in dearness allowance, house rent allowance, city compensatory allowance, etc. if any will be paid to such clerks with effect from 1st December, 1977. There shall be no payment of arrears for the period prior to 1st December, 1977."

On a perusal of the above it is quite clear that the benefit of this agreement has been given only to promotees of 1972 and onwards and not to any promotee before 1972. The management's action, therefore, in not giving the rise of Rs. 65 to Ram Dayal Dubey on his promotion in 1970 must be held to be proper and justified.

3. Before parting with this case I would like to mention that when this case was taken up on 10th of June, 1983 for hearing Mr. L. N. Basak, the Personnel Officer appearing for the management and Sri D. P. Roy, President of the Union appearing for the workman were heard. Sri D. P. Roy fully realised and also conceded that the above agreement, Ext. M-1 of the year 1978, did not apply to the con-

cerned workman namely Ram Dayal Dubey. He however vehemently contended on that day that the benefit ought to be given to the concerned workman on the basis of social justice. This Industrial court pointed out to him that the Presiding Officer cannot go beyond the terms of reference. Then Sri Roy took time to cite some case, if any. He did not appear on 26th July, 1983 which was a date fixed for hearing of the case. The case was then adjourned to 27th of July, 1983. On that day also Shri Roy did not appear. The management was present. However, the concerned workman Ram Dayal Dubey was present and he prayed for time. At his request time was granted and the case was fixed for 1st August, 1983. On that day also none appeared on behalf of the Union, Sri L. N. Basak, Personnel Officer of the Bank was present. In the circumstances the management was heard ex-parte.

4. For the foregoing reasons my concluded award is that the action of the management of Bank of Baroda, 3B, Camac Street, Calcutta in not giving the rise of Rs. 65 per month to the concerned workman Ram Dayal Dubey on his promotion from sub-staff to Godown Keeper in accordance with the agreement dated 3rd October 1978 as given to the sub-staff promoted subsequently is fully justified. It follows that the concerned workman Ram Dayal Dubey is not entitled to any relief.

Dated, Calcutta,

The 2nd August, 1983.

M. P. SINGH, Presiding Officer

[No. L-12012/226/81-D.II(A)]

N. K. VERMA, Desk Officer

New Delhi, the 25th August, 1983

S.O. 3518.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal Calcutta, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Seetalpur Colliery, Messrs Eastern Coalfields Limited, Post Office Dishergarh (Burdwan) and their workmen, which was received by the Central Government on the 19th August, 1983.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL,
CALCUTTA

Reference No. 1 of 1982

PARTIES :

Employers in relation to the management of Seetalpur Colliery, M/s. Eastern Coalfields Limited.

AND

Their Workmen

PRESENT :

Mr. Justice M. P. Singh.—Presiding Officer.

APPEARANCES :

On behalf of Employers.—Mr. D. P. Roy, Sr. Personnel Officer.

z On behalf of Workmen.—Mr. S. K. Chakravorty, Vice-President, Coal Mines Employees Union.

STATE : West Bengal.

INDUSTRIAL : Coal.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, by their Order No. L-19012(40)/81, D. IV(B) dated 21 December 1981 sent the dispute as to "Whether the action of the Agent, Seetalpur Colliery of M/s. Eastern Coalfields Limited in superannuating Sri A. K. Chatterjee with effect from 27-6-81 is justified? If not, to what relief is the workman entitled?", for adjudication to this Tribunal.

2. This is a reference under section 10(1) read with section 2A of the Industrial Disputes Act 1947. Sri A. K. Chatterjee, a clerk, was superannuated with effect from 27 June 1981. He raised the present dispute by letter dated 21 April 1981 (Ext. W-7) before the Assistant Labour Commissioner (C), Asansol, that is, about 2 months earlier of his termination of service.

3. From the terms of reference it is clear that the main issue involved in this case is as to what is the correct year of birth of Sri A. K. Chatterjee. The case of the colliery management is that he was born in 1920 whereas the case of the concerned workman is that his date of birth is 13 November 1923. Admittedly the age of superannuation is 60 years. It is not disputed that if he was born in 1920, he will have no case. Both sides have adduced evidence oral and documentary and the question is which version is correct. In my opinion the management's version is correct. In the B form register (Ext. M-3) of Sodepur sub-area as well as in the B form register (Ext. M-5) of Sitapur colliery his date of birth is 1920. The relevant entry in each of these registers has been signed by the concerned workman A. K. Chatterjee. This means that when the colliery was taken over he accepted the age mentioned in these registers. So he cannot go back upon it. In the LPC of 1979 (last pay certificate) Ext. M-4 also his date of birth is 1920. This LPC was brought by him when he was transferred from Sodepur Sub-area to Seetalpur colliery. These registers and LPC have been proved by MW-3 Bijoy Laik. So also in ECL service card (Ext. M-2) the same year of birth is noted. This also bears his signature. These records of the management are supported by medical evidence. When the concerned workman raised the present dispute about his age after 35 years of his appointment in service, a medical board (that is Age Determination Committee) consisting of Dr. Bhaskar Basu (MW-1), Dr. Tapan Biswas, Dr. P. K. Mullick was constituted to assess his age. On 28 June 1979, that board assessed his age then to be about 58 years (Vide Ext. M-9). But the concerned workman was not satisfied with that. Even after his retirement on 27-6-81 another medical board consisting of Dr. M. N. Mukherjee, Dr. M. S. Laha and two officers of the company assessed his age on 30 June 1981 to be above 60 years. The argument of the concerned workman is that not one of the doctors was a specialist. To Dr. M. N. Mukherjee a fantastic suggestion was made in cross-examination that he was not in the medical board. The suggestion was denied and in my opinion rightly. There is no reason as to why Dr. M. N. Mukherjee will tell a lie. I believe him. It was also suggested to him that he was influenced by the officers. I do not believe this unfounded suggestion. The fact that none of the doctors was specialist cannot mean that their estimate of age should be rejected. In my opinion the evidence of the two doctors is reliable. The medical evidence (M/s 1 and 2) coupled with the aforesaid documentary evidence (Ext. M3, M5 M2 and M4) establishes that he was born in 1920 and so he was rightly superannuated with effect from 27 June 1981. The management has also relied on Ext. M-1 the service card of A. K. Chatterjee issued by the Methani Colliery in 1967. He brought the service card from Sodepur Sub-area on his transfer (See MW-3). The year of birth is 1920 in Ext. M-1 but there is overwriting and it may be read as 1930 or 1920 due to over-writing I would therefore exclude it from consideration.

4. All the above evidence adduced on behalf of the management are sought to be thrown out by the concerned workman on the basis of an entry in Admission Register of Ambica Charan School in which the date of birth of the concerned workman is 23 November 1923. The relevant entry is No. 264 in respect of A. K. Chatterjee (Ext. W-1). This entry is purported to be signed by the Headmaster of the School at the time of admission of A. K. Chatterjee in the year 1929. No competent man has come to prove this entry. WW-1, M. Ghosh who was not even born at that time has come to prove it. Exts. W-2 and W-3 are of no use to the concerned workman. Ext. W-2 dated 25-2-81 purports to be a certificate issued by the Headmaster of the said school saying that in the admission register the date of birth is 23 November 1923. I do not understand what purpose it serves when the Admission Register itself has been filed. Similarly Ext. W-3 dated 20 December 1972 says that the date of birth as recorded in the Admission Register is 23 November 1923. Thus it proves nothing. The entry in the Admission register indicates that A. K. Chatterjee left the school in 1934. That school leaving certificate has not been filed. It is to be noticed that A. C. School, the place of residence of A. K. Chatterjee and his place of employment was in the same locality. If so, what prevented Mr. A. K. Chatterjee to give his correct date of birth to the Equitable Coal Company at the time of his appointment in 1940 or 1941? Furthermore it is not clear as to

why it occurred to Sri A. K. Chatterjee to obtain a certificate (Ext. W-3) in December 1972 only a month prior to the takeover for the purpose of showing his date of birth as 23 November 1923. In the circumstances I am not prepared to rely on the Admission Register.

5. It was urged on behalf of the concerned workman that the identity card (Ext. W-4) of Methani Colliery of Equitable Coal Company showed his date of birth as 23-11-1923. It appears that the dispute was raised before the ALC(C), Asansol only on the basis of the School certificate and this goes to show that Ext. W-4 was not then in existence and that it was brought in existence later on for the purposes of this case. The bonus card which is a part of Ext. W-4 shows that originally the name of the worker was "Basudeb" which was cut through and then the name of A. K. Chatterjee was inserted. Ext. W-4 by itself does not show whether it is identity card or service card. No competent person has proved it. The concerned workman Mr. A. K. Chatterjee has examined himself as WW-2. His evidence is that it has been signed by the Welfare Officer but he cannot say his name. The signature of Welfare Officer has not been proved. WW-2 does not say in his evidence as to when this card was issued to him by the Methani colliery. Ext. W-4, I think, is a suspicious document and it cannot be relied upon. Ext. W-5 is a letter by A. K. Chatterjee to S. A. M. Chinakuri Group dated 10th July, 1975 saying that he was enclosing a copy of the school leaving certificate regarding his date of birth. Ext. W-6 is another letter of A.K. Chatterjee dated 23-3-81 to the Agent, Sodepur Colliery not to superannuate him with effect from 27-6-81. Ext. W-7 is his representation to ALC(C), Asansol dated 21-4-81 raising dispute. Ext. W-8 is the failure report. Ext. W-9 is the circular dated 31st October, 1981 regarding the procedure for determining the age of an employee. Ext. W-10 is a memorandum of settlement dated 27th November, 1968 between the quondam employer and the union of workmen. These documents obviously do not prove the date of birth. It is clear from the above that only two documents viz. the Admission Register (Ext. W-1) and the so-called identity card (Ext. W-4) have been strongly relied upon by the concerned workman but none of them is reliable for the reasons already given by me above.

6. The management has cited some decisions to show that if a workman gives his age at the time of employment, he is bound by it. Some decision has also been cited by the concerned workman to show as to what value should be given to medical evidence. As I have decided the issue of age on merit of the evidence on record, it is not necessary to discuss those decisions. Every case has to be decided on its own facts and circumstances.

7. Another point raised on behalf of the management is that the present dispute was raised on 21st April, 1981 prior to the actual termination of service by superannuation on 27th June, 1981 and hence there was no cause of action under Section 2A of the Industrial Disputes Act, 1947 and so the reference is not maintainable. Reliance has been placed on *Swapan Das Gupta v 1st Labour Court, West Bengal, 1976 Lab IC 202 (Cal.)*. In the view which I have taken above, it is not necessary to decide this point relating to the maintainability of the reference and I do not decide it.

8. In sum, my concluded award is that the action of the Agent, Seetalpur colliery of Messrs Eastern Coalfields Ltd. in superannuating Sri A. K. Chatterjee with effect from 27th June, 1981 is justified. It follows that the concerned workman is not entitled to any relief.

Dated, Calcutta,
8th August, 1983.

M. P. SINGH, Presiding Officer.
[No. L-19012(40)/81-D.IV(B)]

S.O. 3519.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal Calcutta in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Parbelia Colliery of Messrs Eastern Coalfields Limited, Post Office Neutoria (Purulia) and their workmen, which was received by the Central Government on the 19th August, 1983.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL,

CALCUTTA

Reference No. 4 of 1982

PARTIES:

Employers in relation to the management of Parbelia Colliery of M/s. Eastern Coalfields Limited.

AND

Their Workmen.

PRESENT:

Mr. Justice M. P. Singh—Presiding Officer.

APPEARANCES:

On behalf of Employers—Mr. B. N. Lala, Advocate.

On behalf of Workmen—Absent.

STATE: West Bengal.

INDUSTRY: Coal.

AWARD

By Order No. L-19012(66)/81-D.IV(B) dated 19-1-82 the Government of India, Ministry of Labour referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the Agent, Parbelia Colliery of M/s. Eastern Coalfields Limited, Post Office Neutoria (Purulia) in recording the age of Sri Ghamari Rabidas (Ruidas) as 1920 is justified? If not, to what relief the workman is entitled?"

2. On receipt of notice the parties duly filed their respective written statement, but when the case was fixed for hearing the Union is absent on every date, even after receiving proper intimation about the date of hearing. Today when the case was taken up for hearing neither the workman nor the Union is present. The case has therefore been heard ex-parte.

3. The issue involved in this reference relates to determination of age. The concerned workman Ghamari Rabidas has already retired from service on 11th July, 1982. Sri B. N. Lala, Advocate, appears for the management. The case is of 1982. About 12 or 13 dates were fixed in the case. It appears from the Order-sheet that the Union never appeared to take any step since the very beginning of the case. In the circumstances the only reasonable inference is that they are not interested in the case and they do not want to fight this case.

4. In the above circumstances, the proper award to be passed should be a 'no dispute' award. I, therefore, pass a "No Dispute" award.

M. P. SINGH, Presiding Officer.

[No. L-19012(66)/81-D.IV(B)]

A. K. SAHA MONDAL, Desk Officer

Dated, Calcutta,

The 5th August, 1983.

नई दिल्ली 25, अगस्त, 1983

का० आ० 3520:—लौह अयस्क खान, मैंगनीज अयस्क खान तथा क्रोम अयस्क खान श्रम कल्याण निधि नियम, 1978 के नियम 3 के साथ पठित लौह अयस्क खान, मैंगनीज अयस्क खान तथा क्रोम अयस्क खान श्रम कल्याण निधि अधिनियम, 1976 (1976 का 61) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत के राजपत्र संख्या 40 ता० 3 अक्टूबर 1981 के भाग II, के खंड 3, उपखंड (ii) के पृष्ठ 3334 और 3335 पर प्रकाशित भारत सरकार श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 2692 ता० 14-9-81 में आंशिक संशोधन करते हुए, केन्द्रीय सरकार राज्य श्रम मंत्री को लौह अयस्क खान मैंगनीज अयस्क खान तथा क्रोम अयस्क खान श्रम कल्याण निधि संबंधी केन्द्रीय सलाहकार समिति का अध्यक्ष नियुक्त करती है और उक्त अधिसूचना में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

क्रमांक 1 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियाँ रखी जाएगी अर्थात्:—

"(1) श्रम और पुनर्वास मंत्रालय अध्यक्ष

में राज्य मंत्री

पदेन"

नई दिल्ली

[सं० यू-23017/10/81-एम० 4/डबल्यू II]

कंवर राजिन्द्र सिंह, अवसर सचिव

New Delhi, the 25th August, 1983

S.O. 3520.—In exercise of the powers conferred by section 5 of the Iron Ore Mines, Manganese Ore and Chrome Ore Mines Labour Welfare Fund Act, 1976 (61 of 1976) read with sub-rule (1)(a)(i) of rule 3 of the Iron Ore Mines, Manganese Ore Mines and Chrome Ore Mines Labour Welfare Fund Rules 1978 and in partial modification of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S. O. 2692 dated 14-9-1981 published at pages 3334 and 3335 of Part II, Section 3, Sub-section (ii) of the Gazette of India No. 40 dated the 3rd October, 1981, the Central Government hereby appoints the Minister of State for Labour to be the Chairman of the Central Advisory Committee on Iron Ore Mines, Manganese Ore Mines and Chrome Ore Mines Labour Welfare Fund and makes the following amendments in the said notification namely:—

For serial No. 1 and the entries relating thereto, the following shall be substituted, namely:—

"(1) Minister of State
in the Ministry of Labour and
Rehabilitation, New Delhi.

Chairman

ex-officio"

[F. No. U.23017/10/81-M.IV/W.II]

KANWAR RAJINDER SINGH, Under Secy.

FOOT NOTE

Principal Notification S.O. 2692 dated 14-9-1981 published at pages 3334 to 3335 in the Gazette of India Part II Sec. 3 Sub-section (ii) of 3-10-1981 and subsequently amended by:—

(1) Notification S.O. 3021 dated 17-8-72 published in the Gazette of India dated 28-8-82.

(2) Notification No. S.O. 3770 dated 21-8-82 published in the Gazette of India dated 13-11-1982.

भाषा

नई दिल्ली, 25 अगस्त 1981

का० आ० 3521-केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि इससे उपायध्व अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषय के बारे में कुदेरमुख आयरन और कम्पनी लिमिटेड के प्रबंधन से संबंधित एक औद्योगिक विवाद नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच विद्यमान है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को स्थायनिर्णय के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एक औद्योगिक अधिकरण कठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री वी० एच० उपाध्याय

झोंगे जिसका मुख्यालय बंगलौर में होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित कइती है।

अनुसूची

“क्या कुदेरमुख के प्रबंधनत्व की अपने आदेश संख्या पी० ई० आर० एस० / 04 / 2339 तारीख 8-1-1982 द्वारा मशीन ग्रेड I पत्तन सुविधा विभाग कुदेरमुख आयरन और कम्पनी लिमिटेड, पनाम्बुर के स्टाफ संख्या 2339, श्री एस बैकटराय को 8-1-1982 से पदच्युत करने की कार्रवाई न्यायोचित है? यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनु-तोष का हकदार है ?

[सं० एस० 26011/8 / 82-डी० (3 बी)]
हरी सिंह, डेस्क अधिकारी

ORDER

New Delhi, the 25th August, 1983

S.O. 3521.—Whereas the Central Government is of the opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Kudermukh Iron Ore Co. Ltd., and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed.

And whereas, the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri V. H. Upadhyaya, shall be the Presiding Officer, with headquarters at Bangalore and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

“Whether the action of the management of Kudermukh in dismissing Shri S. Venkataraya, Staff No. 2339, Machine Grade I, Port Facilities Department, Kudermukh Iron Ore Company Limited, Panambur vide their order No. PERS/04/2339 dated 8-1-82 with effect from 8-1-82 is justified? If not, to what relief is the workman entitled?”

[No. I-26011/8/82-D.IILB]
HARI SINGH, Desk Officer.

New Delhi, the 27th August, 1983

S.O. 3522.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Chasnalla Colliery of Messrs Indian Iron & Steel Company Limited and their workmen, which was received by the Central Government on the 22nd August, 1983.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 AT DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(i)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

Reference No. 5 of 1982

PARTIES :

Employers in relation to the management of Chasnalla Colliery of Messrs Indian Iron and Steel Company Limited, Post Office Chasnalla, Dist. Dhanbad.

AND

Their Workmen

PRESENT :

Mr. Justice Manoranjan Prasad (Retd.) Presiding Officer.

APPEARANCES :

For the Employers—Shri Mohit Mukherjee, Dy. Manager (Personnel).

For the Workmen—Shri Anand Mohan Prasad, President, Coalfield Labour Union.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal

Dhanbad, the 16th August, 1983

AWARD

The present reference arises out of Order No. L-20012-(291)/81-D.III(A), dated the 16th January, 1982, passed by the Central Government in respect of an industrial dispute between the parties mentioned above. The subject matter of the dispute has been specified in the schedule to the said order and the said schedule runs as follows:—

“Whether the demand of the workmen of Chasnalla Colliery of Messrs Indian Iron and Steel Company Limited, Post Office Chasnalla, District Dhanbad that Shri Phuleswar Mahato should be regularised and should be paid wages as per NCWA-II is justified? If so, to what relief is the workman entitled?”

2. The dispute has been settled out of Court. A memorandum of settlement dated 16-8-83 has been filed in Court. I have gone through the terms of settlement and I find them quite fair and reasonable. There is no reason why an award should not be made on the terms and conditions laid down in the memorandum of settlement. I accept it and make an award accordingly. The memorandum of settlement shall form part of the award.

3. Let a copy of this award be sent to the Ministry as required under section 15 of the Industrial Disputes Act 1947.

MANORANJAN PRASAD, Presiding Officer.

Part of the Award

BEFORE THE CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT NO 1 DHANBAD

Reference No. 5 of 1982

PARTIES :

Employer in relation to the Management of Chasnalla Colliery of M/s. IISCO. Ltd.

AND

Their workman

PETITION OF COMPROMISE

In the matter of adjudication of above dispute both the parties has agreed to settle their differences amicably and after a number of discussion it has been agreed as follows:—

1. That, it is agreed to appoint Shri Phuleswar Mahato, S/o Late Bangu Mahato as Category-I Mazdoor in the pay scale of Rs. 15.00-0.26-18.12 as new recruit at the basic wages of Rs. 15 per day in Ropeway Department. Shri Mahato, shall be placed in any of the Station of the Ropeway Department.

2. It is agreed that no arrear wages or any other benefits whatsoever may be, shall be claimed by and payable to Shri Phuleswar Mahato.

3. It is agreed that the appointment of Shri Phuleswar Mahato will be subject to his medical fitness to be assessed by the Company's Medical Officer.

4. It is agreed that this settlement will resolve/settle all dispute relating to Air Strip, Sindri, fully and finally.

That since the above terms of settlement forming the petition of compromise are fair and reasonable and both the parties have jointly agreed and accepted the case, the compromise petition is filed before the Hon'ble Tribunal.

That both the parties, therefore, pray that the Hon'ble Tribunal will be pleased to record this compromise petition

and give its Award in terms thereof and a copy of this compromise petition may be made a part of the Award.

For & On behalf of the Employer.

(1) Mohit Mukherjee
Dy. Manager(PL)

(2)

Witnesses :—

(1)

(2)

For & on behalf of the
Union.

(1) A. M. Prasad, Advocate.

(2) C. S. Choudhury, Advocate.

(3) Phulshwar Mahato.

Date : 16-8-83

[No. L-20012(291)/81-D.III(A)]

S.O. 3523.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad in the Industrial dispute between the employers in relation to the management Dugda Coal Washery of Steel Authority of India Limited Post Office Dugda, District Giridih and their workmen, which was received by the Central Government on the 24th August, 1983.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 AT DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(i)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

Reference No. 48 of 1981

PARTIES :

Employers in relation to the management of Dugda Coal Washery of Steel Authority of India Limited Post Office Dugda, District Giridih.

AND

Their Workmen

PRESENT :

Mr. Justice Manoranjan Prasad (Retd.) Presiding Officer.

APPEARANCES :

For the Employers—Shri R. S. Murty, Advocate.

For the Workmen—None.

STATE : Bihar. INDUSTRY : Coal.

Dhanbad, dated the 19th August, 1983

AWARD

By Order No. L-20012(155)/81-D.III(A) dated the 21st August, 1981, the Central Government in the Ministry of Labour has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute to this Tribunal for adjudication.

“Whether the demand of the workmen of Dugda Coal Washery of Messrs Steel Authority of India Limited Post Office Dugda, District Giridih, that Shrimati Annamma A. T. Senior Staff Nurse should be upgraded to the post of Sister Incharge/Ward Sister with retrospective effect and also that she should not be disturbed from her present place of posting till her upgradation is justified? If so, to what relief is she entitled?”

2. The parties have filed their written statements and rejoinders setting forth their respective cases, but regard being

had to the nature of the award that I propose to make in this case it is not necessary to state the same in any detail and suffice it to say that the concerned workman, Smt. Annamma A. T., is one of the two Senior Staff Nurses posted at Dugda Coal Washery Hospital, the other Senior Staff Nurse, being Smt. N. Hansdak, and the demand of the sponsoring union, the Coal Washery Shramik Sangh, is that the concerned workman, Smt. Annamma A.T., Senior Staff Nurse, should be upgraded to the post of Sister Incharge Ward Sister with retrospective effect and she should not be disturbed from her present post till her upgradation and that she should be paid the difference of wages and other benefits from 15-8-72 since when she has been working as indoor incharge or fulfilled ten bedded Dugda Coal Washery Hospital, whereas the case of the management is that as per joint study conducted by the management along with the representative of the Coal Washery Workers Union it has been found that the post of the two Senior Staff Nurses who are presently in S-6 Grade might be upgraded to S-7 Grade, and the management has, therefore, taken action for upgradation of both the Senior Staff Nurses from their present Grade S-6 to Grade S-7 and necessary action is in progress as per promotion policy of the company, and the demand of the sponsoring union that the concerned workman Smt. Annamma A.T., Senior Staff Nurse, should be upgraded to the post of Sister Incharge/Ward Sister with retrospective effect or that she should be given the so called difference of wages and other benefits with effect from 15-8-72 is wholly unjustified as no such post of Sister Incharge/Ward Sister exists in Dugda Coal Washery Hospital.

3. Regard being had to the frame of the dispute and the demand of the workmen referred for adjudication, which has been quoted above, the sponsoring union was required to lead evidence in this case on behalf of the concerned workman, Smt. Annamma A.T., Senior Staff Nurse, to justify the demand. But on 13-6-83, which was one of the dates fixed for hearing, Sri B. Lal, Advocate, appearing on behalf of the sponsoring union, informed that some negotiation for settlement of the dispute had been initiated in this case and he prayed for about six weeks time for finalisation of the settlement on which, with the consent of Sri B. Lal, Advocate, appearing for the sponsoring union and Sri R. S. Murty, Advocate, appearing for the management, the case was adjourned to 12-8-83 for filing settlement or for hearing in case no settlement was filed. On 12-8-83 Sri R. S. Murthy, Advocate, was present on behalf of the management and Sri B. Lal, Advocate, was present on behalf of the sponsoring union, but on that date neither any settlement had been filed nor any step had been taken on behalf of the sponsoring union who was to lead evidence in this case nor any witness was present on its behalf. Sri R. S. Murty, Advocate, appearing for the management, however, informed that the concerned workman, Smt. Annamma A.T., Senior Staff Nurse, had already been promoted from Grade S-6 to Grade S-7 with retrospective effect from 15-7-1979 whereupon Sri B. Lal, Advocate, appearing on behalf of the sponsoring union, also submitted that that was also his information. Since, however, Sri R. S. Murthy, Advocate, appearing for the management, had not on that date a copy of the order by which Smt. Annamma A.T., had been promoted from Grade S-6 to Grade S-7 with retrospective effect from 15-7-1979, he prayed for time till 16-8-83 for producing the same. In the circumstance the case was adjourned to 16-8-83 for leading evidence on behalf of the management in case no evidence was led even on that date on behalf of the sponsoring union. On 16-8-83 nobody appeared on behalf of the sponsoring union nor any step had been taken on its behalf though Sri R. S. Murthy, Advocate, was present with his witness, C. K. Jorge, who was accordingly examined in chief as MW-1 and was discharged who had also proved an Office Order No. Pers-I(3)/4582-3189 dated 18/20-8-1982 (Ext.M-1) issued by the Personnel Manager of the Central Coal Washeries Organisation of the Steel Authority of India Limited during the pendency of the present reference.

4. C. K. Jorge, MW-1, is a Confidential Assistant in Dugda Coal Washery since 1979. He has deposed that by the aforesaid Office Order dated 18/20-8-1982 (Ext. M-1) the concerned workman, Smt. Annamma A.T., Senior Staff Nurse, Dugda Coal Washery Hospital, who was in Grade S-6, has been promoted to Grade S-7 with effect from 15-7-79 but financial benefit has been given to her with effect from 1-12-80 as per tri-partite agreement dated 4-5-1981 arrived at between the management and the Coal Washeries Workers Union and

even after her promotion to Grade-S-7 she is working in the same Hospital where she is required to attend out door duties for six months and indoor duties for six months in relation with another Senior Staff Nurse. Smt. Hansdak, who too has been promoted from Grade S-6 to Grade S-7 with effect from 1-9-80 and financial benefit with effect from 1-2-80 under the same Office Order dated 18/20-8-82 (Ext. M-1) which has been implemented in full and that the concerned workman, Smt. Annamma A.T., is not entitled to any other relief. A perusal of the aforesaid Office Order dated 18/20-8-82 (Ext. M-1) also shows that the concerned workman, Smt. Annamma A.T., Senior Staff Nurse, Dugda, had been promoted to the post of Senior Staff Nurse in the scale of Rs. 590-27-779-30-989 (S-7) and she had been put on probation for a period of one year and had been allowed notional, seniority and fixation with effect from 15-7-79 but financial benefit with effect from 1-12-80 as per the tri-partite agreement dated 4-5-1981 arrived at between the management and the Coal Washeries Workers Union and likewise Smt. N. Hansdak, another Senior Staff Nurse, Dugda, had also been promoted to the post of Senior Staff Nurse in the same pay scale and she too had been put on probation for a period

of one year and had been allowed notional seniority and fixation with effect from 1-9-80, but financial benefit with effect from 1-12-80 as per the same tri-partite agreement, and they were both posted at Dugda itself and their pay was directed to be fixed as per the rules of the company.

5. Since no evidence has been led on behalf of the sponsoring union and the aforesaid evidence led on behalf of the management is ex-parte, it is held that the concerned workman, Smt. Annamma A.T., is not entitled to any relief beyond what she has been already given by the management under the aforesaid Office Order No. Pers-I(3)45/82-3189 dated 18/20-8-1982 (Ext. M-1) issued by the Personnel Manager, Central Coal Washeries Organisation of the Steel Authority of India Limited during the pendency of the present reference and the award is made accordingly. In the circumstance of the case there will be no order as to cost.

MANORANJAN PRASAD, Presiding Officer.

[No. L-20012(155)/81-D.III(A)]

A. V. S. SARMA, Desk Officer.

